मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 2 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक कृष्ण 7 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 59 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028



4 टेंपल डिवाइस : जानिए कैसे काम करती है यह खास तकनीक

साउथ एसेंट को लेकर आलोचना पर रश्मिका के सपोर्ट में उतरे जावेद अतर 6

देवघर में मुख्य न्यायाधीश के आगमन को लेकर सुरक्षा कड़ी, चार घंटे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

35 करोड़ की लागत से बने एडवांस डेटा सेंटर और एआई टूल्स का करेंगे उद्घाटन, बाबा बैद्यनाथ मंदिर में भी करेंगे पूजा-अर्चना

देवघर: भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सोमवार को देवघर आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। साथ ही प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शहर में टोटो, ऑटो, ट्रक और बस समेत भारी वाहनों के प्रवेश पर चार घंटे तक रोक लगाई गई है। वहीं, मुख्य न्यायाधीश के आगमन से दो घंटे पहले निर्धारित मार्गों पर छोटे वाहनों की आवाजाही भी बंद कर दी जाएगी। इस दौरान पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम को लेकर विशेष प्रोटोकॉल तैयार किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही कोर्ट परिसर में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। बिना अनुमति किसी भी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिला प्रशासन के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम निर्धारित कर दिया



गया है। इसके तहत शाम 5:15 बजे मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत देवघर पहुंचेंगे। इसके दो मिनट बाद 5:17 बजे उनके स्वागत में राष्ट्रगान का गायन होगा। शाम 5:22 बजे मुख्य न्यायाधीश और अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद 5:27 बजे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ होगा। शाम 5:30 बजे न्यायाधीश सुजीत कुमार नालसा की ओर से आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। इसके बाद 5:45 बजे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और चंद्रशेखर विशेष संबोधन करेंगे। शाम 5:55 बजे मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे न्यायिक व्यवस्था और उसके महत्व पर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में न्यायाधीश रंगोन उपाध्याय समापन संबोधन करेंगे।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुख्य न्यायाधीश को सम्मानपूर्वक विदाई दी जाएगी। इसके बाद वे देवघर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से रांची के लिए रवाना होंगे। देवघर के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश अपने देवघर दौरे के दौरान बाबा बैद्यनाथ मंदिर में भी पूजा-अर्चना करेंगे। उनके आगमन को लेकर मंदिर में आवश्यक तैयारियां और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

कुशीनगर में भीषण सड़क हादसा

ट्रेलर और कार की आमने-सामने टक्कर में छह लोगों की मौत, कार के उड़े परखच्चे

कुशीनगर: उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में सोमवार को भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां हाटा कोतवाली क्षेत्र के थरुआडीह के पास कार और ट्रकी की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 2 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय कार में कुल 8 लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार हादसे के समय कार सवार ये सभी लोग किसी कार्यक्रम से वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी उनके साथ यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके



पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आम आदमी पार्टी को झटका

पंजाब में आप के तीन विधायकों ने थामा भाजपा का दामन

कुंवर विजय प्रताप सिंह, चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा ने दिल्ली में ली भाजपा की सदस्यता

चंडीगढ़: पंजाब में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के तीन विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया है।



भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं।

तीनों विधायकों ने पिछले दो दिनों में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दिया था। रविवार को चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर विजय प्रताप सिंह ने भी पार्टी छोड़ दी। इसके बाद तीनों विधायकों ने दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी: ठीक है, हवाई जहाज से यात्रा न करें, अगला मामला...

हवाई किराये में 700 प्रतिशत तक बढ़ोतरी के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से कोर्ट ने किया इनकार

नई दिल्ली: ठीक है, हवाई जहाज से यात्रा न करें। अगला मामला। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ ने हवाई किराये में 700 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी से संबंधित जनहित याचिका का उल्लेख किए जाने के दौरान यह टिप्पणी की। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए अगले मामले की सुनवाई शुरू कर दी।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने कोर्ट



को बताया कि हवाई किराये में 700 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने दलील दी कि हवाई यात्रा एक आवश्यक सेवा है और किराये में इस तरह की बेतहाशा वृद्धि यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ ने टिप्पणी करते हुए कहा, ठीक है, हवाई जहाज से यात्रा न करें। अगला मामला।

याचिका में कहा गया है कि त्योहारों, छुट्टियों और आपात स्थितियों के दौरान डायनेमिक प्राइसिंग के नाम पर विमानन कंपनियां अचानक हवाई किराये में भारी बढ़ोतरी कर देती हैं। इससे आम यात्रियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। याचिका में इस तरह की मनमानी पर रोक लगाने और हवाई किराये के निर्धारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले से संबंधित एस. लक्ष्मीनारायण की जनहित याचिका जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के समक्ष लंबित है।

सोच लो! भारी पड़ेगा, मीडिया पर भड़के अमिताभ बच्चन शब्दों को गलत संदर्भ में पेश करने का आरोप लगाया

मुंबई : मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा एक्स पोस्ट में मीडिया में छपी खबर को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए दूसरे संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, सदी के महानायक ने इसके लिए मीडिया को चेतावनी भी दी है।

दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक पोस्ट और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर पेश किया है।

अमिताभ ने अपने पोस्ट में मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह कृष्ण कन्हैया के लिए, प्रार्थना स्वरूप, अक्सर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की का उच्चारण करते हैं और मीडिया ने इसे ही गलत तरीके से पेश किया है।

अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के लिए एक प्रार्थना थी और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा था, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है।



उन्होंने इसे धर्म का निरादर भी बताया।

अमिताभ ने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, ले आओ हाथी घोड़ा हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं ! एक तो घोर निंदा एक जय श्री कृष्ण ह्य के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके 5 करोड़ फॉलोअर्स हैं और अगर इशारा मिल जाए तो उनमें से 10 प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे। मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी पब्लिक फिगर से गलती होती है, तो वे माफी मांग लेते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।

उन्होंने तीखी आलोचना करते हुए लिखा, हमसे कोई गलती हो जाए झ्र गलतियां हो जाती हैं, तो हम तुरंत क्षमा मांगते हैं, और सुधार करने का प्रयत्न करते हैं, पर यहां लगता है उनका (मीडिया) ये जन्म साइ धिकार (जन्मसिद्ध अधिकार) है। इस पोस्ट से पहले अमिताभ ने इसी संदर्भ में एक और पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, (हम) लिखते हैं प्रार्थना और मीडिया उसके शब्दों का दुरुपयोग करके निरादर करता है ! इतनी लाचारी ??? अब मीडिया हमारे हाथ में भी है। सोच लो! भारी पड़ेगा।

भीषण विमान हादसा

फ्लोरिडा में रिहायशी इलाके के पास सड़क पर गिरा बिजनेस जेट, सभी नौ लोगों की मौत

टेक्सास से बहामास जा रहा था विमान, हादसे के बाद सड़क पर बना गहरा गड्ढा, जांच में जुटीं अमेरिकी एजेंसियां

फ्लोरिडा: अमेरिका के फ्लोरिडा में एक भीषण विमान हादसे में बिजनेस जेट में सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई। विमान ने टेक्सास के ऑस्टिन से बहामास के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन गंतव्य पर पहुंचने से पहले ही वह रिहायशी इलाके के पास एक व्यस्त सड़क पर जा गिरा।

जमीन से टकराते ही विमान में जोरदार धमाका हुआ और आग लग गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विमान के टकराने से सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि विमान आसपास के मकानों और वाहनों से टकराने से बच गया। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई सड़क निर्माण मशीन, 8 मजदूरों की मौत, 3 झुलसे

झुंझुनूं : राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी तहसील स्थित छापोली गांव में सोमवार को सड़क निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कदम कुंड की ओर बनाई जा रही सड़क पर काम करते समय मसाला बनाने वाली मशीन मशीन 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। मशीन में करंट फैलते ही वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

जानकारी के अनुसार, सोमवार को झुंझुनूं के छापोली गांव में सड़क निर्माण का काम चल रहा था। इसके लिए मौके पर रोड़ी मिलाने वाली मशीन लगाई गई थी। इसी दौरान मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। बिजली का तार छूते ही पूरी मशीन में करंट फैल गया और आसपास काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए।

अचानक हुए हादसे से मजदूरों को संभलने का मौक नहीं मिला। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। करंट लगने से 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 3 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को इलाज के लिए आनन-फानन में तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

गुस्साए ग्रामीणों ने शुरू किया धरनाः एक साथ 8 मजदूरों की मौत की खबर फैलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर धरना शुरू कर दिया और मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सीएम भजनलाल शर्मा और अशोक गहलोत ने जताया दुखः हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोत गहलोत ने गहरा दुख व्यक्त किया है। भजनलाल शर्मा ने कहा, ह्यझुंझुनूं में हुए हादसे में करंट लगने से श्रमिकों की असामयिक मृत्यु का समाचार दुखद है।

झारखंड में चक्रवाती तूफान मुरासू का असर

झारखंड में 4 नवंबर तक बारिश के आसार, 6 नवंबर से गिरेगा पारा

चक्रवाती तूफान मुरासू के प्रभाव से मौसम में उतार-चढ़ाव, छठ के बाद बढ़ेगी कनकनी

संवाददाता

रांचीः नवंबर की शुरूआत रविवार को बारिश के साथ हुई। रांची शहर के बाहरी इलाकों में झमाझम बारिश हुई। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान मुरासू का असर झारखंड के मौसम पर भी दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग ने 4 नवंबर तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

2 नवंबर को सुबह हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहा। इसके बाद आसमान में आंशिक बादल रहने का अनुमान है। राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य और दक्षिणी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश के साथ गर्जन हो सकता है। 3 नवंबर को भी इन क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, जबकि 4 नवंबर को आसमान में बादल छाए रह सकते हैं।

100 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है हवाः बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान मुरासू 27 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके 2 नवंबर की सुबह तक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अनुमान है कि 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह के बीच तूफान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है। हवा के झोंके 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है।

तूफान के प्रभाव से झारखंड में भी मौसम खराब रहने की संभावना है। राज्य में बारिश के



साथ तेज हवाएं चल सकती हैं।

6 नवंबर से साफ होगा आसमान, गिरेगा तापमानः मौसम विभाग के अनुसार, 5 नवंबर से आसमान साफ होने की संभावना है। तूफान का असर कम होने के बाद 6 नवंबर से तापमान में गिरावट आ सकती है। बादल छंटने के साथ न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने का अनुमान है।

फिलहाल राजधानी रांची में गुलाबी ठंड का एहसास हो रहा है। आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान का अंतर भी कम हो सकता है। मौसम साफ होने के बाद सुबह के समय मैदानी और जंगली इलाकों में धुंध छाने लगेगी। कुछ स्थानों पर घना कोहरा भी पड़ सकता है। मौसम में बदलाव के साथ सुबह और रात की ठंड बढ़ेगी। 15 नवंबर के बाद कनकनी बढ़ने के आसार हैं। महीने के अंतिम दिनों में ठंड और जोर पकड़ सकती है।

2025 में 8.4 डिग्री तक पहुंचा था न्यूनतम तापमानः रांची में पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें तो नवंबर 2025 सबसे ठंडा रहा था। उस वर्ष न्यूनतम तापमान गिरकर 8.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वर्ष 2021 में न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री, 2022 में 10.6 डिग्री, 2023 में 11.9 डिग्री और 2024 में 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

इस बार नवंबर की शुरूआत में चक्रवाती तूफान के कारण मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पहले सप्ताह में बारिश की संभावना है। इसके बाद मौसम साफ होने से तापमान में गिरावट आएगी। मौसम साफ रहने पर सुबह धुंध और ठंड का असर बढ़ सकता है। महीने के अंत में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं। हालांकि, आगे बारिश की संभावना किसी नए मौसमी सिस्टम के बनने पर निर्भर करेगी।

झारखंड में अगले तीन दिन छाये रहेंगे बादल, कई जिलों में बारिश के आसार

कोल्हान में चक्रवात मुरासु का दिखेगा अधिक असर, 2 से 4 नवंबर तक मौसम में बदलाव की संभावना



संवाददाता

रांचीः बंगाल की खाड़ी में उठे गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु का असर झारखंड में भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले तीन दिनों तक बादल छाये रहेंगे। कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है। कोल्हान प्रमंडल के जिलों में इसका असर अधिक दिख सकता है।

मौसम विभाग, रांची के प्रभारी अभिषेक आनंद के मुताबिक, चक्रवात का झारखंड पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। हालांकि, जमशेदपुर, सरायकेला और चाईबासा में तेज बारिश हो सकती है।

रांची, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रामगढ़, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद और बोकारो में बादल छाये रहेंगे। संथाल परगना के देवघर, जामताड़ा, दुमका, साहिबगंज, गोड्डा और पाकुड़ में भी कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। चक्रवाती तूफान में बदला मुरासुः भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान मुरासु पिछले छह घंटों के दौरान लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है। यह गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है।

2 नवंबर की सुबह 2:30 बजे तूफान चेन्नई से लगभग 260 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व, नेल्लोर से 290 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व और मछलीपट्टनम से 320 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह चार बजे के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट को पार कर सकता है। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों के साथ 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है।

झारखंड में नवंबर से नई न्यूनतम मजदूरी दर लागू, तीन श्रेणियों में बांटे गए क्षेत्र

अकुशल मजदूरों के लिए प्रतिमाह 12,337 से 13,586 रुपये तक निर्धारित, अति कुशल श्रमिकों को मिलेगा अधिक वेतन

संवाददाता



रांचीः राज्य सरकार ने नवंबर 2026 से न्यूनतम मजदूरी की नई दरें लागू कर दी हैं। न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने के लिए पिछले छह महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) को आधार बनाया गया है। इसके साथ ही पूरे राज्य को तीन श्रेणियों–अ, इ और उ–में बांटा गया है।

तीन श्रेणियों में बांटे गए क्षेत्र

श्रेणी अ में रांची नगर निगम, चास नगर निगम, धनबाद नगर निगम, देवघर नगर निगम, हजारीबाग नगर निगम, मानगो नगर निगम, जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र, जुगसलाई नगर परिषद और आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र को शामिल किया गया है।

श्रेणी अ में शामिल क्षेत्रों को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों के नगर निकाय क्षेत्र श्रेणी इ में आएंगे। वहीं, नगर निकायों को छोड़कर बाकी सभी क्षेत्र श्रेणी उ में शामिल होंगे।

नई न्यूनतम मजदूरी दरः नई दरों के अनुसार, श्रेणी अ के अकुशल मजदूरों को प्रतिमाह 13,586 रुपये, श्रेणी इ में 12,947 रुपये और श्रेणी उ में 12,337 रुपये मिलेंगे।

अति कुशल मजदूरों के लिए श्रेणी अ में 21,656 रुपये, श्रेणी इ में 20,669 रुपये और श्रेणी उ में 19,682 रुपये प्रतिमाह निर्धारित किए गए हैं।

लाल चौक के पास बेकाबू बाइक का कहर, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

फुटबॉल मैच और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखकर लौट रहे थे युवक, एक की हालत नाजुक



संवाददाता

बोकारोः बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के लाल चौक-चेकपोस्ट के समीप रविवार देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों पिलपिलो में आयोजित फुटबॉल मैच के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम देखकर घर लौट रहे थे।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को डीवीसी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया।

एक युवक की हालत नाजुकः घायलों की पहचान रोहित कुमार महतो (पेक नारायणपुर), प्रवीण कुमार महतो (कोठी पोखरिया) और राजकुमार महतो (ऊच्चाघना, विष्णुगढ़, हजारीबाग) के रूप में हुई है।

हादसे में एक युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी है। काफी खून बहने के कारण उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस कर रही जांच : हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

झारखंड आंदोलनकारियों को अब तक क्यों नहीं मिला शहीद का दर्जाः सुदेश महतो

मयूरढुवी में लीलू, हीरू और पटल बाउरी के स्मारक की रखी आधारशिला, 50वां शहादत दिवस धूमधाम से मनाने का ऐलान

संवाददाता



बोकारोः झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने रविवार को चंदनकियारी प्रखंड के मयूरढुवी गांव में झारखंड आंदोलनकारी लीलू, हीरू और पटल बाउरी के स्मारक की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान और शहादत पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की जरूरत है।

सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलन में बाउरी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शहीद किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के गौरव हैं। उन्होंने कहा कि तीनों आंदोलनकारियों को अब तक शहीद का दर्जा नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें यह सम्मान मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत के पीछे की परिस्थितियों और गोली चलाने वालों से जुड़े इतिहास को भी सामने लाने की जरूरत है। आजसू परिवार शहीदों को सम्मान दिलाने के लिए आगे आएगा। उनका 50वां शहादत दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा और आदमकद प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी।

शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेराः सुदेश महतो ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल मंईयां सम्मान योजना के तहत राशि देने से महिला सशक्तीकरण नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे रही है।

उन्होंने युवाओं को रोजगार नहीं मिलने, नौकरियों में कथित अनियमितताओं और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। युवाओं से राजनीतिक चेतना विकसित करने और अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की।

आंदोलनकारियों के 58 हजार आवेदन लंबितः गोमिया के पूर्व विधायक डॉ। लंबोदर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों की समस्याओं पर अब तक पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि 58 हजार से अधिक आंदोलनकारियों के आवेदन सत्यापन के अभाव में लंबित हैं।

उन्होंने चंदनकियारी स्थित ईएसएल प्लांट का मुद्दा उठाते हुए वहां हुई मौतों और भूमि अधिग्रहण से जुड़े आरोप भी लगाए। उनके अनुसार, प्लांट क्षेत्र में अब तक 250 लोगों की जान जा चुकी है और एक महीने के भीतर छह लोगों की मौत हुई है। उन्होंने तीन गांवों की जमीन बिना अधिग्रहण के प्लांट में शामिल किए जाने का आरोप लगाया। इन आरोपों पर संबंधित प्रबंधन और प्रशासन का पक्ष उपलब्ध नहीं हो सका। मौके पर जुगसलाई के पूर्व विधायक रामचंद्र सहिस सहित आजसू के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

गुमला में आज मनाया जा रहा कब्र पर्व, 750 कब्रों पर जलेंगी मोमबत्तियां, पूर्वजों के लिए होगी विशेष प्रार्थना

गुमलाः गुमला धर्मप्रांत में सोमवार को कब्र पर्व मनाया जायेगा। इस अवसर पर धर्मप्रांत की सभी 39 पल्लियों (चर्च) में स्थित करीब 750 कब्रों पर विशेष प्रार्थना होगी। मृत परिजनों की याद में उनके चाहने वाले कब्रों को फूल-माला से सजायेंगे और मोमबत्तियां जलाकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे। बीते 15 दिनों से इसकी तैयारी चल रही थी, जो रविवार को पूरी हो गयी।

मृत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए होगी प्रार्थनाः कब्र पूजा के महत्व पर सीप्रियन कुल्लू ने बताया कि जीवन और मृत्यु एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ख्रीस्त विश्वास के अनुसार, मृत्यु जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नयी शुरूआत है। जो लोग इस दुनिया से चले गये हैं, वे हमारे अपने हैं। इसलिए उनके लिए प्रार्थना करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पूर्वजों ने अपने जीवनकाल में जो पाप और बुराइयां कीं तथा ईश्वर से क्षमा नहीं मांगी, उनके लिए भी प्रार्थना की जाती है। साथ ही लोगों को अपने भीतर छिपी बुराइयों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिए। संत पात्रिक महागिरजा के पल्ली पुरोहित फादर जेरोम एक्का ने बताया कि कब्र पूजा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस दिन ख्रीस्त विश्वासी अपने सगे-संबंधियों की कब्र पर पूजा करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

पूर्व बिशपों की कब्र पर भी होगी विशेष पूजाः गुमला धर्मप्रांत के प्रथम बिशप माइकल मिंज और दूसरे बिशप पौल अलविस लकड़ा की कब्र पर भी विशेष पूजा की जायेगी। दोनों की कब्र संत पात्रिक महागिरजाघर के अंदर बनी हुई है। यहां श्रद्धालु मोमबत्तियां जलाकर उनके लिए प्रार्थना करेंगे। इसके अलावा धर्मप्रांत के सभी चर्चों में पुरोहितों द्वारा पूजा-पाठ कराया जायेगा।

39 पल्लियों के अंतर्गत हैं 350 छोटे चर्चः गुमला धर्मप्रांत में कुल 39 पल्ली हैं। इनके अंतर्गत 350 छोटे-छोटे चर्च आते हैं। इन चर्चों में करीब 750 कब्र हैं, जहां हर साल दो नवंबर को कब्र पूजा की जाती है। इस दौरान मृत आत्माओं के लिए विशेष प्रार्थना होती है।

गुमला धर्मप्रांत की 39 पल्लियां3 गुमला, सोसो, टुकूटोली, रामपुर, दलमदी, तुरबुंगा, अघरमा, कोनबीर नवाटोली, केमताटोली, ममरला, केउंदटाड़, छत्तापहाड़, रोशनपुर, लौवाकेरा, सुंदरपुर, देवगांव, करौंदाबेड़ा, मांझाटोली, जोकारी, मुरुमकेला, टोंगो, बारडीह, चैनपुर, मालम नवाटोली, नवाडीह, कटकाही, केड़ेंग, परसा, भिखमपुर, रजावल, कपोडीह, डुमरपाट, डोकापाट, बनारी, विमरला, चिरैयां, जरमना और नवडीहा।

एक ही सुबह सियार ने दो लोगों पर किया हमला, बोकारो के गांव में दहशत

कसमार के चौड़ा गांव में दशरथ टुडू और कमलमणि देवी घायल, प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर

,7

बोकारोः जिले के कसमार प्रखंड की मुरहूलसुदी पंचायत के चौड़ा गांव में सियार के हमले की दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में झामुमो की मुरहूलसुदी पंचायत कमेटी के अध्यक्ष दशरथ टुडू (39) और गांव की कमलमणि देवी (65) शामिल हैं।

दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कसमार में प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, बोकारो रेफर कर दिया गया। एक ही गांव में सुबह-सुबह हुई दो घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है।

नदी में नहाने गए दशरथ पर हमलाः पहली घटना सुबह करीब 9:15 बजे की है। चौड़ा निवासी जयराम टुडू के पुत्र दशरथ टुडू गांव के समीप गवाई नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान अचानक एक सियार ने उन पर हमला कर दिया।



दशरथ ने बचाव के लिए सियार का मुकाबला किया और उसे पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान सियार ने उनकी अंगुलियों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में काटकर उन्हें जख्मी कर दिया।

दशरथ की चीख सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख सियार वहां से भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों ने घायल दशरथ को अस्पताल पहुंचाया।

घर के पीछे कमलमणि देवी को बनाया निशानाः दूसरी घटना में बहादुर मांझी की पत्नी कमलमणि देवी नदी जाने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान घर के पीछे ही सियार ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके दोनों हाथ और दोनों पैर जख्मी हो गए।

परिजनों के अनुसार, घटनास्थल के पास परिवार के कुछ अन्य सदस्य भी मौजूद थे, जो हमले की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए।

अस्पताल में एंटी रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन नहीं होने पर चिंता : दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कसमार में प्राथमिक उपचार के साथ टिटनेस का टीका और एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई। इसके बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया।

घटना की जानकारी मिलने पर झामुमो नेता सिकंदर कपरदार अस्पताल पहुंचे और घायल दशरथ टुडू का हालचाल लिया। उन्होंने अस्पताल में एंटी रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन (आरआइजी) उपलब्ध नहीं होने पर चिंता जताई।

कपरदार ने कहा कि क्षेत्र में सियार के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। उनके अनुसार, अब तक ऐसे हमलों में चार लोगों की मौत भी हो चुकी है।

उन्होंने प्रशासन से कसमार सहित आसपास के सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि जरूरत पड़ने पर घायलों को समय पर उपचार मिल सके। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से क्षेत्र में लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने तथा सियार के हमलों पर नियंत्रण की मांग की है।

सांसद प्रदीप वर्मा बने झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के नए अध्यक्ष, 23 साल बाद मिला नया नेतृत्व



रांचीः झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन में करीब 23 साल बाद नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। गिरिडीह में आयोजित एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा (एजीएम) में भाजपा के राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार वर्मा को नया अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वहीं, शबाना रब्बानी को मानद सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी के गठन के लिए आयोजित चुनावी प्रक्रिया के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की आधिकारिक घोषणा की। आमसभा में झारखंड के 22 जिलों के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। चुनाव नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 के नये दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर कराया गया।

पिरदाग में पत्थर खनन पर उठे सवाल डीसी गठित करेंगे जांच कमेटी

- खनन पदाधिकारी ने खनन को बताया वैध, लेकिन स्वीकारा- समाप्त हो चुकी है सीटीओ की अवधि
- आवंटित जमीन से अलग करीब पांच एकड़ में उत्खनन के आरोपों की होगी जांच



लातेहारः चंदवा प्रखंड के लाधुप पंचायत अंतर्गत पिरदाग गांव में पत्थर खनन को लेकर उठे सवालों के बीच जिला प्रशासन ने जांच की पहल की है। लातेहार के उपायुक्त संदीप कुमार ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित करने की बात कही है। वहीं, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सैफी ने खनन कार्य को वैध बताया है, लेकिन साथ ही स्वीकार किया है कि खनन से संबंधित कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) की अवधि समाप्त हो चुकी है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में उमेश कुमार सिंह को प्लॉट नंबर 29पी, 31पी, 32पी और 34पी में कुल एक एकड़ सात डिसमिल भूमि पर पत्थर खनन का आवंटन मिला था। आरोप है कि निर्धारित स्थल से अलग करीब दो एकड़ 66 डिसमिल से लेकर लगभग पांच एकड़ क्षेत्र में उत्खनन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का दावा है कि वर्ष 2024 से ही यहां खनन गतिविधियां संचालित हो रही हैं। खदान में ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और बड़ी मात्रा में पत्थर जमा होने की बात भी सामने आई है।

सीटीओ की अवधि समाप्त, फिर भी उठ रहे सवालः मामले का एक अहम पहलू सीटीओ की वैधता है। जिला खनन पदाधिकारी नदीम सैफी ने खनन कार्य को वैध बताया, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि सीटीओ की अवधि समाप्त हो चुकी है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि सीटीओ की अवधि समाप्त होने के बाद खनन कार्य की वास्तविक स्थिति क्या रही और संचालन के दौरान निर्धारित नियमों का पालन किया गया या नहीं। वहीं, खनन संचालक उमेश कुमार सिंह ने भी कहा है कि सीटीओ की अवधि समाप्त होने के कारण फिलहाल खनन कार्य बंद है।

अधिकारियों की अनभिज्ञता पर भी सवालः इस मामले में खनन पदाधिकारी के अलावा एसडीओ दिनेश कुमार और अंचल अधिकारी सुमित कुमार झा ने भी पहले खनन कार्य की जानकारी नहीं होने की बात कही थी। वहीं, आवंटित भूमि से अलग खनन किए जाने के आरोप, वास्तविक उत्खनन क्षेत्र और हाईटेंशन तार के नीचे ब्लास्टिंग जैसे बिंदु भी जांच के दायरे में हैं।

उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा है कि मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब खनन पदाधिकारी खनन को वैध बता रहे हैं और सीटीओ की अवधि समाप्त होने की बात भी स्वीकार कर रहे हैं, तो आवंटित भूमि, खनन की वास्तविक सीमा और आवश्यक अनुमतियों की स्थिति क्या है? अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन की जांच और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

चंदवा में सड़क सुरक्षा को लेकर सघन जांच अभियान, छह भारी वाहनों पर 52,500 जुर्माना

डीसी और एसपी के निर्देश पर परिवहन विभाग व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन की हिदायत

संजय कुमार यादव

चंदवा (लातेहार): सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में रविवार, 1 नवंबर को चंदवा में भारी वाहनों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले छह भारी वाहनों पर कुल 52,500 रुपये का ई-चालान जारी किया गया।

उपायुक्त संदीप कुमार और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल तथा चंदवा थाना प्रभारी मनोरंजन सिंह के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। जांच के दौरान विभिन्न भारी वाहनों के दस्तावेजों और यातायात नियमों के अनुपालन की पड़ताल की गई। अनियमितता पाए जाने पर छह वाहनों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और सड़क पर विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी गई।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और यातायात नियमों के अनुपालन के लिए आगे भी वाहन जांच अभियान जारी रहेगा।

बिना कारण लाइसेंस रद्द करने पर हाईकोर्ट सख्त, नगर निगम के तीन आदेश निरस्त

अपर बाजार के जालान रोड स्थित जमीन और दुकानों का मामला, 12 सप्ताह में सुनवाई कर तर्कसंगत आदेश देने का निर्देश

संवाददाता



रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम द्वारा अपर बाजार के जालान रोड स्थित जमीन और दुकानों का लाइसेंस (लीज) रद्द करने तथा उन्हें खाली कराने के आदेशों को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की पीठ ने कहा कि निगम के आदेशों में कोई ठोस कारण नहीं बताया गया था। ऐसे कारणरहित आदेश कानून की कसौटी पर स्वीकार्य नहीं हैं। अदालत ने मामले को दोबारा विचार के लिए नगर निगम को वापस भेज दिया है। हाईकोर्ट ने किरण देवी मोदी सहित आठ रिट याचिकाओं का निष्पादन करते हुए यह निर्देश दिया।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, वर्ष 1966-67 में तत्कालीन रांची नगरपालिका ने वार्ड संख्या-5 के सर्वे प्लॉट संख्या-732 पर 5100 वर्गफुट जमीन मोहन लाल कतची को आवंटित की थी। इस जमीन पर वे टेंट हाउस का कारोबार करते थे। उनके निधन के बाद उनके पुत्र महेंद्र कुमार कतची ने वर्ष 2000 में मोदी परिवार के सुरेश कुमार मोदी और रमेश कुमार मोदी के साथ साझेदारी की। बाद में साझेदारी समाप्त हो गई और जमीन मोदी बंधुओं के पक्ष में सरेंडर कर दी गई।

नगर निगम ने 9 दिसंबर 2003 को उक्त जमीन मोदी बंधुओं के नाम आवंटित की। इसके बाद 5 जून 2004 को समझौता हुआ। निगम ने 6 अगस्त 2004 को पक्का निर्माण करने की अनुमति भी दी। इसके बाद वहां दुकानें बनाई गईं। मोदी परिवार ने निगम से शेष सात याचिकाकताओं के नाम पर दुकानों का पुनः आवंटन करने का आग्रह किया।

2014 में रद्द कर दिया गया था लाइसेंस: नगर निगम ने 9 सितंबर 2014 को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसके बाद 14 अक्टूबर 2014 को लाइसेंस रद्द कर दिया गया। 4 दिसंबर 2014 को दुकानों को खाली करने का आदेश जारी किया गया। हाईकोर्ट के निर्देश पर याचिकाकर्ताओं ने निगम में आवेदन दिया, जिसे तत्कालीन सीईओ ने 13 फरवरी 2015 को खारिज कर दिया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने अदालत को बताया कि निगम के आदेश में कोई ठोस कारण नहीं दिया गया और न ही उनके पक्ष में प्रस्तुत तथ्यों पर विचार किया गया। वहीं, नगर निगम के अधिवक्ता ने दलील दी कि लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन हुआ है और मामला उप-किराएदारी (सब-लेटिंग) का है। निगम को विकास कार्य के लिए जमीन की आवश्यकता भी है।

तीन आदेशों को किया निरस्तः मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि 14 अक्टूबर 2014 का आदेश महज तीन पंक्तियों का था और उसमें कोई कारण दर्ज नहीं किया गया था। वहीं, 13 फरवरी 2015 के आदेश में भी पुरानी बातों को दोहराया गया था। अदालत ने 14 अक्टूबर 2014, 4 दिसंबर 2014 और 13 फरवरी 2015 के तीनों आदेशों को निरस्त कर दिया।

12 सप्ताह में दोबारा निर्णय लेने का निर्देश: हाईकोर्ट ने नगर निगम को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का पूरा अवसर दे। उनके तर्कों और दस्तावेजों पर विचार करने के बाद तर्कसंगत आदेश पारित किया जाए। यह पूरी प्रक्रिया आदेश की प्रति प्राप्त होने के 12 सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी। तब तक याचिकाकर्ताओं का कब्जा नहीं हटाया जाएगा। साथ ही याचिकाकर्ताओं को निगम के समक्ष उपस्थित होकर जांच और प्रक्रिया में सहयोग करने का निर्देश दिया

रांची में डबल मर्डर : पत्नी और सास की रॉड से पीटकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

टाटीसिलवे में पारिवारिक विवाद के बाद दिया वारदात को अंजाम बेटी को बचाने पहुंची सास पर भी किया जानलेवा हमला

संवाददाता



रांची: राजधानी रांची के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सास पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों महिलाओं की रविवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपी पति सावन बिरहोर को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतकों की पहचान ममता देवी (30) और उनकी मां सोनिया देवी (50) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात सावन बिरहोर अपने ससुराल पहुंचा था। वहां किसी बात को लेकर उसका पत्नी ममता देवी से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर उसने ममता की पिटाई शुरू कर दी। बेटी को बचाने के लिए उसकी मां सोनिया देवी बीच-बचाव करने पहुंचीं। इससे गुस्साए सावन ने दोनों महिलाओं पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों ने दोनों महिलाओं को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आरोपी पति गिरफ्तार: घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति सावन बिरहोर को गिरफ्तार कर लिया। रांची के मुख्यालय डीएसपी-1 अमर कुमार पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में टाटीसिलवे थाना में कांड संख्या 104/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रिम्स में निदेशक की कुर्सी पर असमंजस बरकरार

सेवानिवृत्ति के बाद भी नहीं मिला नए प्रभारी को कार्यभार

डॉ डीके सिन्हा ने नहीं संभाली निदेशक की जिम्मेदारी, वरीय चिकित्सक डॉ राजीव मिश्रा को प्रभार सौंपने पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक नहीं लिया फैसला

संवाददाता



रांची: झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में निदेशक पद को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रभारी निदेशक डॉ डीके सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग ने अब तक नए प्रभारी निदेशक की नियुक्ति नहीं की है। वहीं, सेवानिवृत्ति के बाद डॉ सिन्हा भी आधिकारिक रूप से निदेशक की कुर्सी पर नहीं बैठ रहे हैं। इससे संस्थान के प्रशासनिक नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

वरीय चिकित्सक को अब तक नहीं मिला प्रभार: रिम्स की नियमावली के अनुसार, निदेशक के सेवानिवृत्त होने की स्थिति में उनके बाद संस्थान के वरीय चिकित्सक को निदेशक का प्रभार सौंपा जाना चाहिए। इस लिहाज से डीन डॉ राजीव मिश्रा को प्रभारी निदेशक की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक उन्हें प्रभार सौंपने संबंधी कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। विभाग की चुप्पी से निदेशक पद को लेकर असमंजस और गहरा गया है।

कार्यालय पहुंचे डॉ सिन्हा, लेकिन कुर्सी पर नहीं बैठे: इधर, सोमवार को डॉ डीके सिन्हा रिम्स स्थित अपने कार्यालय पहुंचे। हालांकि, उन्होंने निदेशक की कुर्सी पर बैठने से परहेज किया। कुछ देर कार्यालय में रहने के बाद वह स्वास्थ्य विभाग के लिए रवाना हो गए।

उनके विभाग जाने को लेकर यह चर्चा है कि वह निदेशक पद की मौजूदा स्थिति और आगे की प्रक्रिया को लेकर अधिकारियों से बातचीत करने पहुंचे थे। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

नियमावली के अनुसार प्रभार सौंपने की मांग: रिम्स में निदेशक का पद संस्थान के प्रशासनिक और शैक्षणिक संचालन के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में लंबे समय तक इस पद को लेकर असमंजस बने रहने से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। संस्थान की नियमावली के अनुरूप वरीय चिकित्सक को प्रभार सौंपने की प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठ रही है।

स्वास्थ्य विभाग के फैसले पर टिकी नजर: अब सबकी नजर स्वास्थ्य विभाग के अगले कदम पर है। विभाग डॉ डीके सिन्हा की सेवानिवृत्ति के बाद उत्पन्न स्थिति पर क्या निर्णय लेता है और क्या डॉ राजीव मिश्रा को प्रभारी निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल रिम्स में निदेशक पद को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

रामलीला मैदान में झारखंड के टाना भगतों ने भरी हुंकार, पारंपरिक प्रस्तुति से दिखाई सांस्कृतिक पहचान

संवाददाता

दिल्ली: दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित कांग्रेस की वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में झारखंड के हजारों कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने हिस्सा लिया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिर्की के नेतृत्व में पहुंचे झारखंड के लोगों ने रैली में राज्य की कला, संस्कृति और पारंपरिक पहचान का प्रदर्शन किया।

रैली में टाना भगत समुदाय के लोगों ने पारंपरिक भोरी बजाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भोरी की गूंज के बीच झारखंडी परंपरा और सांस्कृतिक अस्मिता की झलक राष्ट्रीय मंच पर देखने को मिली। झारखंड के लोगों की इस भागीदारी ने रैली में राज्य की अलग पहचान स्थापित की।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प: मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राहुल गांधी के आह्वान पर आयोजित इस रैली में उमड़ी भीड़ देश में लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा को लेकर लोगों की चिंता और एकजुटता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि चोरी और छल के सहारे खड़ा किया गया कोई भी साम्राज्य लंबे समय तक कायम नहीं रह सकता।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल राजनीतिक रैली नहीं, बल्कि लोकतंत्र, संविधान और देश के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। जनता अपने मताधिकार को लेकर सजग है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध करेगी।

राष्ट्रीय मंच पर दिखी झारखंड की सांस्कृतिक पहचान: शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रैली में झारखंड से हजारों लोगों की भागीदारी ने यह संदेश दिया है कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के मुद्दे पर राज्य के लोग भी राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे अभियान के साथ खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड के कार्यकताओं की बड़ी भागीदारी के साथ टाना भगत समुदाय की पारंपरिक प्रस्तुति ने राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट रूप से प्रस्तुत किया।

झारखंड आंदोलनकारियों ने 15 नवंबर को रांची में *उलगुलान एक क्रांति* शुरू करने का लिया निर्णय

मेट्रो रेज



गिरिडीह: झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, गिरिडीह जिला इकाई के तत्वावधान में झारखंड आंदोलनकारियों का एक दिवसीय सम्मेलन एवं जुलूस आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य 15 नवंबर को रांची के बिरसा चौक पर प्रस्तावित *उलगुलान एक क्रांति* कार्यक्रम के तहत अनिश्चितकालीन आमरण अनशन एवं धरना-प्रदर्शन को सफल बनाना है।

कार्यक्रम के तहत आंदोलनकारियों ने झंडा मैदान से जुलूस निकाला, जो डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन एवं पुस्तकालय परिसर पहुंचकर सम्मेलन में तब्दील हो गया। सम्मेलन में आंदोलनकारियों ने न्याय, सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करने की मांग उठाई। उन्होंने सरकार से आंदोलनकारियों को राजकीय मान-सम्मान और अलग पहचान देने, उनके बच्चों एवं आश्रितों को रोजगार तथा नौकरियों में शत-प्रतिशत अवसर की गारंटी देने और जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी आंदोलनकारियों को 50-50 हजार रुपये सम्मान पेंशन देने की मांग की।

मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि जनप्रतिनिधि 1932 के खतियान के नाम पर झारखंडियों को गुमराह करना बंद करें। सरकार झारखंडियों को उनका पूर्ण अधिकार और सम्मान दे। राज्य से पलायन एवं विस्थापन रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और खनिज संपदा पर आधारित उद्योग-धंधे स्थापित किए

उन्होंने कहा कि सरकार झारखंड आंदोलनकारियों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर समान रूप से सम्मान दे। जेल गए हों या नहीं, सभी आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सभी आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन देने का श्रेय लेना चाहिए। उन्होंने गिरिडीह के आंदोलनकारियों से अपने बच्चों के अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में 15 नवंबर को रांची के बिरसा चौक पहुंचने की अपील की। कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक आंदोलनकारियों की सांसें चलती रहेंगी।

केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान देने से ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सम्मान बढ़ेगा। राज्य सरकार को नीतिगत तरीके से झारखंड का विकास करना चाहिए और आंदोलनकारियों को उनका उचित सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की धरती पर उलगुलान एक क्रांति का आगाज होगा।वहीं, प्रसाद बैजू ने कहा कि सरकार को संविधान की धारा 3ए के तहत स्थानीय नीति लागू करनी चाहिए।

सेल सिटी के पास दो महीने में तैयार होगा नया पुल

विधानसभा और रिंग रोड पहुंचना होगा आसान

यू पुंदाग और जगरनाथ विहार कॉलोनी के पास बन रहा संपर्क मार्ग, सेल सिटी, पुंदाग और अरगोड़ा के लोगों को मिलेगा

संवाददाता



रांची: राजधानी में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और विभिन्न इलाकों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत करने की दिशा में न्यू पुंदाग-सेल सिटी के पास बन रहा नया पुल और संपर्क मार्ग जल्द तैयार होने की उम्मीद है। पुल और इससे जुड़ी सड़क अगले एक-दो महीने में बनकर तैयार हो सकती है। इसके शुरू होने से सेल सिटी, पुंदाग, अरगोड़ा और रिंग रोड की ओर आने-जाने वाले लोगों को वैकल्पिक रास्ता मिलेगा।

बारिश से पहले ही पुल के दोनों छोर पर मिट्टी भरकर अस्थायी रास्ता तैयार कर दिया गया था। इसके बाद से स्थानीय लोगों ने इस मार्ग का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है। हालांकि, पुल और सड़क का विधिवत उद्घाटन होना अभी बाकी है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सेल सिटी के हजारों आवासीय फ्लैटों में रहने वाले लोगों के साथ आसपास की कॉलोनियों और बस्तियों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

विधानसभा, हाईकोर्ट और स्टेडियम जाना होगा आसान: इस संपर्क मार्ग से कूटे विस्थापित कॉलोनी होते हुए जगन्नाथपुर मंदिर, झारखंड विधानसभा, विधायक आवासीय परिसर, नया सराय और आगे रिंग रोड तक पहुंचना आसान होगा। इसके अलावा झारखंड हाईकोर्ट, जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम और पारस एचईसी अस्पताल जाने वाले लोगों को भी वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इससे मुख्य सड़कों और व्यस्त चौराहों पर यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है।

इन मोहल्लों को मिलेगा सीधा लाभ: नया पुल और संपर्क मार्ग शुरू होने से सेल सिटी आवासीय कॉलोनी, जगरनाथ विहार कॉलोनी, महावीर नगर, ऋषभ नगर, भास्कर पथ, न्यू पुंदाग, कूटे, नया सराय और पुंदाग बस्ती सहित आसपास के कई इलाकों के लोगों को फायदा होगा।

इसके अलावा राज्य निर्वाचन आयोग, गायत्री शक्तिपीठ, मनोकामना मंदिर, शिव मंदिर, साइट फोर, एमबीए क्लब प्लेग्राउंड, विद्यालय मार्ग, रोड नंबर-6 और रोड नंबर-2 के आसपास रहने वाले लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी।

पुंदाग और अरगोड़ा की राह भी होगी आसान: नए संपर्क मार्ग से साईं मंदिर होते हुए पुंदाग बस्ती, अरगोड़ा चौक और कटहल मोड़ की ओर जाना भी आसान हो सकेगा। फिलहाल इन इलाकों के लोगों को कई स्थानों तक पहुंचने के लिए मुख्य सड़कों पर निर्भर रहना पड़ता है। नया रास्ता शुरू होने से दूरी और समय दोनों की बचत होने की उम्मीद है।

जाम से मिलेगी राहत, समय की होगी बचत: पुल और संपर्क मार्ग चालू होने से पुंदाग और अरगोड़ा की मुख्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो सकता है। आसपास के लोगों को कई प्रमुख स्थानों तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। इससे सेल सिटी, रिंग रोड, विधानसभा, एचईसी और अरगोड़ा क्षेत्र के बीच संपर्क और मजबूत होगा। रोजमर्रा के आवागमन के साथ स्कूल-कॉलेज, अस्पताल और कार्यालय जाने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है।

सीएमडी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज



रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी कार्यालय को बम से उड़ाने और कर्मचारियों को गोली मारने की धमकी से संबंधित एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। अमन साहू के नाम से प्रसारित इस पोस्ट के बाद सीसीएल मुख्यालय के सुरक्षा निरीक्षक पारसनाथ राम ने कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस पोस्ट करने वाले सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान के लिए तकनीकी टीम की मदद ले रही है। प्राथमिकी के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट में रांची के दरभंगा हाउस स्थित सीसीएल के सीएमडी कार्यालय में गोलीबारी और बमबारी करने के साथ ही कर्मचारियों को गोली मारने की धमकी दी गई है। पोस्ट में सीसीएल के सीएमडी और अन्य अधिकारियों को टैग करते हुए टेंडर तथा ई-ऑक्शन प्रक्रिया को लेकर आरोप भी लगाए गए हैं। सुरक्षा निरीक्षक ने प्राथमिकी में आशंका जताई है कि इस धमकी से सीसीएल के सीएमडी, अधिकारियों और कर्मचारियों की जान-माल को गंभीर खतरा हो सकता है। इससे कर्मचारियों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल पैदा होने की आशंका है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फैंटेसी कल्चरल अकादमी बनी इंटरसिटी डांस प्रतियोगिता की विजेता

रेगुलेशन-2026 में प्रतिभागियों ने बिखेरा हुनर, सोलो और ग्रुप डांस के विजेताओं को मोमेंटो व नकद पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

मेट्रो रेज



रांची: श्री राम-भरत मिलाप समिति, रांची की ओर से आयोजित रेगुलेशन-2026 इंटरसिटी डांस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों के प्रतिभागियों ने अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। समापन समारोह में निर्णायक मंडल के सदस्य सुरजीत जोश, जयंत मिश्रा और राम कुमार के निर्णय के आधार पर विजेताओं की घोषणा की गई।

प्रतियोगिता के सोलो जूनियर वर्ग में रियान मजूमदार ने प्रथम, आकृति भारद्वाज ने द्वितीय और अनिका कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, सोलो सीनियर वर्ग में गायत्री कुमारी प्रथम, हर्षवर्धन द्वितीय और दीपांशी कुमारी तृतीय स्थान पर रहे।

ग्रुप डांस प्रतियोगिता में फैंटेसी कल्चरल अकादमी के सीनियर ग्रुप ने प्रथम स्थान हासिल कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। गुमनाम अग्नि ग्रुप दूसरे और फैंटेसी कल्चरल अकादमी का जूनियर ग्रुप तीसरे स्थान पर रहा। सभी विजेताओं को समिति के पदाधिकारियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों और अतिथियों ने मोमेंटो एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा ने प्रतिभागियों और कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। समिति भविष्य में इससे भी भव्य स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेगी। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समिति के सदस्यों, दानदाताओं, प्रशासनिक पदाधिकारियों और अतिथियों के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम का संचालन रोहित आरके ने किया, जबकि समापन पर महामंत्री नम्रता सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आयोजन को सफल बनाने में समिति के कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम दास, अध्यक्ष रोहित शारदा, महामंत्री नम्रता सोनी, प्रवक्ता बादल सिंह, संरक्षक बीके विजय, सरदार अशोक सिंह, जय नारायण विजय, बालवीर जैन, डॉ. दिलीप सोनी, उपाध्यक्ष महेश विजय, प्रिंस पांडेय, अनूप बर्मन, नवनीत कुमार, सौरव विजय, विवेक आर्य, अनिल विजय, प्रिया सिन्हा, जयंत मजूमदार, प्रीति कुमारी, डॉ. डॉली जायसवाल, रूबी जायसवाल, प्रभात रंजन, कमल गिरी, मीनू डांगी, संजय कुमार सिंह, देवराज बर्मन, स्निग्ध रंजन और राजू कुमार सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इसके अलावा मारवाड़ी युवा मंच, रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया, सचिव राघव शारदा, कोषाध्यक्ष राम अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष संजय अग्रवाल, संजय सुल्तानिया, कृष्ण कुमार पिलानिया, रूपेश कुमार गुप्ता, सुमिता सिंह, मेघा सुल्तानिया, देवराज बर्मन, ऋषि शारदा, प्रकाश बर्मन, दीपक जोशी, परमेश्वर अग्रवाल, राजकुमार पाल, राजू कुमार, स्निग्ध रंजन, राहुल कुमार, हरिप्रसाद विजयवर्गीय, सकेत सराफ, बीना शारदा, प्रमिला श्रॉफ, अनीता अग्रवाल, सरोज सुल्तानिया, नेहा शर्मा, ज्योति सिन्हा, संजीव कुमार, अनीता मोटे, रवि गोसाई, आशीष हीरो, शिबू राम और समीर सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मां सुभद्रा ग्रुप, धुर्वा की 15 महिलाओं ने वालंटियर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मोबाइल की दुनिया और बचपन का बिगड़ता व्यवहार

पंचकूला के एक स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा छह साल की बच्ची के साथ कथित क्रूर व्यवहार की खबर ने समाज को झकझोर दिया है। समाचार में सामने आए घटनाक्रम और विद्यालय परिसर में हुई हिंसा के विवरण ने बच्चों की सुरक्षा, उनके व्यवहार और हमारी परवरिश को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर बचपन में ऐसी हिंसक प्रवृत्तियाँ कैसे जन्म ले रही हैं? क्या बच्चों के भीतर संवेदनशीलता और सहानुभूति कम हो रही है? क्या मोबाइल की दुनिया, इंटरनेट पर उपलब्ध हिंसक सामग्री और बदलते पारिवारिक वातावरण का उनके व्यवहार पर कोई प्रभाव पड़ रहा है? इन सवालों से बचना अब संभव नहीं है। किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि बच्चों में बढ़ती हिंसा का कारण केवल मोबाइल फोन है। प्रत्येक घटना के पीछे व्यक्तिगत परिस्थितियाँ, पारिवारिक वातावरण, साथियों का प्रभाव, मानसिक स्थिति और सामाजिक परिवेश जैसे अनेक कारक हो सकते हैं। फिर भी यह सच है कि बच्चों के हाथों में पहुँच चुकी डिजिटल दुनिया ने माता-पिता की जिम्मेदारियों को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। अब बच्चों की निगरानी केवल स्कूल से लौटने के बाद उनके व्यवहार तक सीमित नहीं रह सकती। यह जानना भी आवश्यक है कि वे मोबाइल पर क्या देखते हैं, किन लोगों से बातचीत करते हैं, कौन-से खेल खेलते हैं और इंटरनेट से किस प्रकार के विचार ग्रहण कर रहे हैं। आज स्मार्टफोन बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई, शैक्षिक वीडियो और ज्ञानवर्धक सामग्री के माध्यम से तकनीक ने सीखने के नए अवसर खोले हैं। लेकिन इसी माध्यम पर हिंसक दृश्य, अपमानजनक भाषा, खतरनाक चुनौतियाँ और दूसरों को नुकसान पहुँचाने वाले व्यवहार भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं। समस्या तकनीक के अस्तित्व में नहीं बल्कि उसके अनियंत्रित उपयोग, अनुचित सामग्री तक पहुँच और उसके प्रभावों को समझने की कमी में है। बच्चे कई बार मनोरंजन के नाम पर ऐसी सामग्री देखते हैं, जिसके परिणामों को समझने के लिए वे मानसिक और भावनात्मक रूप से पर्याप्त परिपक्व नहीं होते बचपन अनुकरण की अवस्था है। बच्चे अपने आसपास के लोगों को देखकर भाषा, व्यवहार और प्रतिक्रिया करना सीखते हैं। वे माता-पिता की बातचीत, परिवार के सदस्यों के आचरण, मित्रों के व्यवहार और डिजिटल माध्यमों पर दिखाई देने वाली गतिविधियों से प्रभावित होते हैं। यदि किसी बच्चे को बार-बार हिंसा, अपमान, बदले और आक्रामकता को सामान्य रूप में प्रस्तुत करने वाले दृश्य दिखाई देते हैं तो उसके व्यवहार पर उनका प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि हर बच्चा ऐसी सामग्री देखकर हिंसक नहीं बनता लेकिन उम्र के अनुरूप सामग्री चुनना और उसके प्रभावों पर बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है। इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अक्सर व्यस्तता के कारण बच्चों को शांत रखने के लिए उनके हाथ में मोबाइल थमा दिया जाता है। खाना खिलाने से लेकर उन्हें व्यस्त रखने तक, स्क्रीन एक आसान उपाय बन गई है। धीरे-धीरे यह आदत बच्चों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है और अभिभावकों का ध्यान इस बात से हट जाता है कि बच्चा वास्तव में क्या देख रहा है। बच्चे का मोबाइल पर चुपचाप लगे रहना उसकी सुरक्षा या स्वस्थ विकास का प्रमाण नहीं है। डिजिटल दुनिया में उसकी गतिविधियों की जानकारी रखना, उम्र के अनुरूप सीमाएँ निर्धारित करना और उसके साथ नियमित संवाद बनाए रखना आवश्यक है। बच्चों पर नजर रखने का अर्थ उन पर हर समय संदेह करना या उनकी निजता को पूरी तरह समाप्त कर देना नहीं है। इसका अर्थ है उनकी सुरक्षा के प्रति सजग रहना और ऐसा विश्वासपूर्ण वातावरण बनाना, जिसमें वे अपनी परेशानी, जिज्ञासा और गलतियों के बारे में खुलकर बात कर सकें। माता-पिता को बच्चों से पूछना चाहिए कि वे कौन-से खेल खेलते हैं, इंटरनेट पर क्या नया देखते हैं और किसी वीडियो या घटना के बारे में उनकी क्या समझ है। यदि बच्चा किसी हिंसक दृश्य को देखकर उत्साहित होता है, किसी को चोट पहुँचाने की बात करता है या उसके व्यवहार में अचानक बदलाव आता है तो उसे केवल डाँटकर चुप कराने के बजाय कारण समझने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालयों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना और परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं है। विद्यालय बच्चों को संवेदनशील, जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनाने का भी माध्यम हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार में आने वाले असामान्य बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। विद्यालयों में परामर्श व्यवस्था, भावनात्मक शिक्षा, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और दूसरों की गरिमा का सम्मान करने से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, अपमान या किसी कमजोर विद्यार्थी को निशाना बनाने की घटनाओं को सामान्य शरारत समझकर टालना भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

साथ ही, किसी बच्चे द्वारा गंभीर गलती किए जाने पर उसके व्यवहार की जवाबदेही तय करना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है कि जाँच और कार्रवाई तथ्यों के आधार पर हो। बच्चों को अपराधी घोषित करने की जल्दबाजी, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर उनकी पहचान उजागर करना उचित नहीं है। पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि किसी बच्चे के व्यवहार में हिंसा, असामान्य आक्रामकता या भावनात्मक संकट के संकेत दिखाई दे तो अभिभावकों और विद्यालयों को योग्य बाल मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की सहायता लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। डिजिटल मंचों और सरकार की भूमिका पर भी विचार करना होगा। बच्चों के लिए अनुचित सामग्री तक पहुँच रोकने, अभिभावकीय नियंत्रण के साधनों को सरल बनाने और आयु के अनुरूप डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। इंटरनेट कंपनियों को भी बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। लेकिन किसी तकनीकी सुविधा पर पूरी तरह निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल मोबाइल चलाना सीखना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही, सुरक्षित या अनुकरण करने योग्य नहीं होती। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों को केवल नियमों से नहीं, उदाहरणों से भी सिखाया जाता है। यदि घर में गुस्से के समय अपशब्दों का प्रयोग होता है, विवादों का समाधान मारपीट से किया जाता है और दूसरों के प्रति अपमानजनक व्यवहार सामान्य माना जाता है तो बच्चों से पूर्णतः विपरीत आचरण की अपेक्षा करना कठिन होगा। परिवार में संवाद, धैर्य, सहानुभूति और सम्मान का वातावरण बनाना होगा। बच्चों के साथ समय बिताना, उन्हें खेलकूद, पुस्तक-पठन, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक मेलजोल के अवसर देना भी जरूरी है। पंचकूला की घटना से उपजे सवाल केवल एक विद्यालय या एक परिवार तक सीमित नहीं हैं। वे पूरे समाज के सामने एक चेतावनी की तरह खड़े हैं। हमें बच्चों को तकनीक से दूर रखने की बजाय उसका सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग सिखाना होगा। मोबाइल पर वे क्या देख रहे हैं, यह जानने के साथ-साथ यह भी समझना होगा कि उनके मन में क्या चल रहा है। कहीं वे अकेलेपन, तनाव, उपेक्षा या किसी अनकही परेशानी से तो नहीं जूझ रहे? बच्चों के हाथ में मोबाइल देने से पहले उन्हें विवेक देना, स्वतंत्रता देने से पहले जिम्मेदारी सिखाना और अनुशासन के साथ स्नेह देना आज समय की मांग है।

टेंपल डिवाइस: जानिए कैसे काम करती है यह खास तकनीक

टेंपल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिसे सिर के कनपटी वाले हिस्से में, माथे और कान के बीच लगाया जाता है। इसे त्वचा पर चिपकाने के लिए विशेष एडहेसिव स्ट्रिप्स का इस्तेमाल किया जाता है। इसका डिजाइन ऐसा है कि इसे रोजमर्रा की गतिविधियों और शारीरिक अभ्यास के दौरान पहना जा सके।

अमरेश द्विवेदी

क्रिकेट में खिलाड़ियों की तैयारी अब केवल बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फिटनेस तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक की मदद से खिलाड़ी अपने शरीर की प्रतिक्रियाओं और शारीरिक प्रदर्शन को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश कर रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल हैं, जो न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में अभ्यास के दौरान माथे पर एक खास डिवाइस लगाए नजर आए। इस डिवाइस का नाम टेंपल (TEMPLE) है, जिसे जोमैटो (ZomÔto) के सह-संस्थापक दीपिंदर गोयल की कंपनी ने विकसित किया है।

बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज आगामी 4 नवंबर, 2026 से शुरू होने वाली है। इससे पहले गिल के माथे पर लगे छोटे-से उपकरण ने क्रिकेट प्रशंसकों और तकनीक में रुचि रखने वाले लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। आमतौर पर खिलाड़ी फिटनेस बैंड और स्मार्टवॉच के जरिए हृदय गति, नींद और शारीरिक गतिविधियों पर नजर रखते हैं लेकिन टेंपल का उद्देश्य मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से जुड़े संकेतों और शरीर की शारीरिक प्रतिक्रियाओं का आकलन करना है। हालांकि, गिल ने सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया है कि उन्होंने इस डिवाइस का इस्तेमाल किस खास उद्देश्य से किया। इसलिए उनके डिवाइस पहनने को किसी बीमारी की जांच या विशेष चिकित्सकीय जरूरत से जोड़ना उचित नहीं होगा। इसकी संभावित कीमत लगभग 84,999 से 85,000 के आसपास है और इसके प्री-ऑर्डर 1 नवंबर 2026 से शुरू होने वाले हैं। यह कोई प्रमाणित मेडिकल या डायग्नोस्टिक डिवाइस नहीं है बल्कि एक वेलनेस और रिसर्च आधारित गैजेट है।

गौरतलब है कि, इसका इस्तेमाल भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल के अलावा स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और जोमैटो के सह-संस्थापक दीपिंदर गोयल करते देखे गए हैं।

टेंपल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिसे सिर के कनपटी वाले हिस्से में, माथे और कान के बीच लगाया जाता है। इसे त्वचा पर चिपकाने के लिए विशेष एडहेसिव स्ट्रिप्स का इस्तेमाल किया जाता है। इसका डिजाइन ऐसा है कि इसे रोजमर्रा की गतिविधियों और शारीरिक अभ्यास के दौरान पहना जा सके। सामान्य फिटनेस ट्रैकर मुख्य रूप से कलाई या उंगली से मिलने वाले संकेतों के आधार पर शरीर की गतिविधियों का विश्लेषण करते हैं। इसके विपरीत, टेंपल सिर के पास से ऑप्टिकल संकेत एकत्र करता है और उनका विश्लेषण करके कुछ विशेष मापदंड प्रस्तुत करता है।

इस डिवाइस के दो प्रमुख फीचर हैं- ब्रेनफ्लो और एंट्रॉपी स्कोर। पहला मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से संबंधित बदलावों के संकेतों पर केंद्रित है, जबकि दूसरा शरीर की शारीरिक सक्रियता और उस पर पड़ने वाले दबाव से जुड़े संकेतों को एक संख्यात्मक स्कोर के रूप में दिखाता है। टेंपल का पहला प्रमुख फीचर ब्रेनफ्लो है। इसका उद्देश्य मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से संबंधित बदलावों को ट्रैक करना है। मस्तिष्क को सामान्य रूप से काम करने के लिए पर्याप्त रक्त और ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। इसलिए मस्तिष्क में रक्त संचार से जुड़े बदलावों का अध्ययन चिकित्सा विज्ञान और न्यूरोसाइंस में महत्वपूर्ण माना जाता है। ब्रेनफ्लो के माध्यम से टेंपल सिर की कनपटी के पास स्थित ऊतकों और रक्त वाहिकाओं से मिलने वाले संकेतों का विश्लेषण करता है। इसके बाद सॉफ्टवेयर इन संकेतों के आधार पर मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से जुड़े बदलावों का अनुमान लगाने का प्रयास करता है।

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ब्रेनफ्लो को मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से संबंधित संकेतों का आकलन करने वाला मापदंड समझना चाहिए। इसे मस्तिष्क तक पहुंचने वाले रक्त की वास्तविक मात्रा का प्रत्यक्ष और पूर्ण माप नहीं माना जा सकता। त्वचा, खोपड़ी और आसपास के ऊतकों में रक्त प्रवाह भी सेंसर के परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

कंपनी ने इस तकनीक की तुलना स्थापित चिकित्सा मापन विधियों से करने वाले शुरूआती अध्ययन भी साझा किए हैं। हालांकि, इसकी सटीकता और अलग-अलग परिस्थितियों में विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए व्यापक तथा स्वतंत्र वैज्ञानिक सत्यापन जरूरी है।

टेंपल का दूसरा प्रमुख फीचर एंट्रॉपी स्कोर है। यह 1 से 250 के बीच एक संख्यात्मक स्कोर देता है और इसे शरीर की शारीरिक सक्रियता तथा ऊर्जा की मांग में होने वाले बदलावों को समझने के लिए विकसित किया गया है। कंपनी के अनुसार, नींद, तनाव, व्यायाम, कैफीन का सेवन और ध्यान जैसी गतिविधियां इस स्कोर को प्रभावित कर सकती हैं। कम स्कोर अपेक्षाकृत आराम की स्थिति से जुड़ा हो सकता है, जबकि अधिक स्कोर शारीरिक सक्रियता या बढ़ी हुई शारीरिक मांग के दौरान दिखाई दे सकता है। यह स्कोर लगातार अपडेट होने के लिए बनाया गया है।

उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति आराम करने के दौरान और कठिन व्यायाम के बाद अपने स्कोर की तुलना कर सकता है। इसी तरह, वह अलग-अलग दिनों में नींद और शारीरिक गतिविधियों के साथ अपने आंकड़ों में होने वाले बदलावों को देख सकता है। हालांकि, एंट्रॉपी स्कोर एक कंपनी-विशिष्ट मापदंड है। इसे तनाव, थकान या किसी बीमारी का निश्चित माप नहीं मानना चाहिए। इसकी गणना किस तरह की जाती है और यह शरीर की अलग-अलग अवस्थाओं को कितनी सटीकता से दशार्ता है, यह स्वतंत्र वैज्ञानिक प्रमाणों से स्थापित होना आवश्यक है। टेंपल की कार्यप्रणाली में पीपीजी यानी फोटोप्लेथिस्मोग्राफी तकनीक की भूमिका बताई जाती है। इस तकनीक का इस्तेमाल कई स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड में भी किया जाता है। पीपीजी में सेंसर त्वचा पर प्रकाश डालता है और ऊतकों से वापस आने वाले प्रकाश में होने वाले बदलावों को मापता है। रक्त वाहिकाओं में रक्त की मात्रा बदलने पर प्रकाश के अवशोषण और परावर्तन में भी बदलाव आ सकता है। सेंसर इन परिवर्तनों को रिकॉर्ड करता है और सॉफ्टवेयर प्राप्त संकेतों का विश्लेषण करता है। टेंपल में सिर के कनपटी वाले हिस्से से संकेत एकत्र किए जाते हैं। इसके बाद डिवाइस का सिस्टम इन संकेतों को संसाधित करके ब्रेनफ्लो और एंट्रॉपी जैसे मापदंड तैयार करने में मदद करता है। यह समझना जरूरी है कि पीपीजी अपने आप मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों को रिकॉर्ड नहीं करता। यह एएक्ष यानी इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी से अलग तकनीक है, जिसमें मस्तिष्क की विद्युत गतिविधि मापी जाती है। इसी तरह, प्रकाश आधारित संकेतों से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह का सटीक आकलन करने के लिए विशेष एल्गोरिदम और वैज्ञानिक सत्यापन की आवश्यकता होती है। टेंपल से प्राप्त संकेतों का विश्लेषण करने के बाद संबंधित जानकारी मोबाइल ऐप पर दिखाई जाती है। इससे उपयोगकर्ता समय के साथ अपने आंकड़ों में होने वाले बदलावों को देख सकते हैं और अलग-अलग गतिविधियों के दौरान प्राप्त परिणामों की तुलना कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को तीन चरणों में समझा जा सकता है। डेटा संग्रह- सेंसर त्वचा और रक्त वाहिकाओं से संबंधित ऑप्टिकल संकेत रिकॉर्ड करता है। डेटा विश्लेषण- डिवाइस का सिस्टम इन संकेतों का विश्लेषण करके संबंधित मापदंड तैयार करता है। वहीं, प्राप्त परिणाम ऐप के जरिए उपयोगकर्ता को मोबाइल पर दिखाए जाते हैं। इस तरह का लगातार डेटा व्यक्ति को अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं के पैटर्न समझने में मदद कर सकता है। हालांकि, आंकड़ों में बदलाव का कारण केवल एक गतिविधि को मान लेना सही नहीं होगा क्योंकि शरीर की प्रतिक्रिया कई कारकों से प्रभावित हो सकती है।

क्रिकेट जैसे प्रतिस्पर्धी खेल में खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता के साथ-साथ आराम, रिकवरी और लगातार अभ्यास के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय दौरों में लंबी यात्रा, मौसम में बदलाव, समय क्षेत्र का अंतर और व्यस्त कार्यक्रम भी खिलाड़ियों की दिनचर्या को प्रभावित कर सकते हैं। टेंपल जैसे उपकरण भविष्य में खेल वैज्ञानिकों और खिलाड़ियों को शारीरिक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने में सहायता दे सकते हैं। इनके आंकड़ों से यह समझने की कोशिश की जा सकती है कि अलग-अलग गतिविधियों, आराम और अभ्यास के दौरान शरीर के संकेत किस तरह बदलते हैं। लेकिन यह दावा करना जल्दबाजी होगी कि टेंपल पहनने से किसी खिलाड़ी की एकाग्रता, बल्लेबाजी या प्रदर्शन अपने आप बेहतर हो जाएगा। इसकी उपयोगिता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसके मापदंड कितने विश्वसनीय हैं और उनका खेल प्रदर्शन से क्या संबंध स्थापित होता है। टेंपल जैसी उभरती तकनीक के लिए वैज्ञानिक सत्यापन सबसे महत्वपूर्ण है। कनपटी के पास मौजूद त्वचा, खोपड़ी और रक्त वाहिकाओं से मिलने वाले संकेतों को अलग-अलग पहचानना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

निद्रा का अन्त: क्षेत्र मधुमय है

पतंजलि योग सूत्रों में भी निद्रा को विषय मुक्त चित्त का परिणाम बताया गया है। लेकिन तनावग्रस्त मन का क्या करें? मन थकता ही नहीं। इन्द्रियां विषयों से निवृत्त होती ही नहीं। करें तो क्या करें? विषय विषाद देते हैं। प्रसाद फिसल जाता है। ऊषा आ रही हैं। रात्रि विदा हो रही हैं। पूरा अस्तित्व जागरण से भर गया है। पक्षी कलरव कर रहे हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

निद्रा में मस्तिष्क के भीतर बहुत सारे रासायनिक परिवर्तन होते हैं। जल और वायु की तरह निद्रा भी मनुष्य जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे पूर्वजों ने निद्रा की आवश्यकता पर गहरा अध्ययन किया था। वैदिक ऋषि मधुप्रिय हैं। एक मधु अनुभूति में प्रवाहित होता है और दूसरा मधु पदार्थ है। आयुर्वेद का प्रतिष्ठित ग्रन्थ चरक संहिता है। चरक संहिता के रचनाकाल में दोनों मधु प्रवाहमान हैं। मधुमक्खियों का शहद एक मधु है। अन्य सभी मीठे पदार्थ मधु हैं। चरक संहिता में कहते हैं कि केवल मधुरस का अधिक सेवन करने से स्थूलता, कोमलता और निद्रा की अधिकता बढ़ती है। ह्यनिद्रा की अधिकताह्ण की ओर स्वाभाविक ही सबका ध्यान जाता है। रक्त रस में शक्कर या सुगर की अधिकता आधुनिक समाज की समस्या है। मधु शक्कर का पर्याय नहीं है। शक्कर पदार्थ है और मधु स्वाद अनुभूति। रक्त रस में शक्कर का बढ़ना रोग है लेकिन निद्रा अधिकता की जगह अनिद्रा भी आधुनिक समाज का बड़ा रोग है। चरक संहिता में बताया गया है ह्यजब कार्य करते-करते मन थक जाता है, इन्द्रियां भी थकने के कारण अपने-अपने विषयों से निवृत्त हो जाती हैं, तब निद्रा।ह्व

पतंजलि योग सूत्रों में भी निद्रा को विषय मुक्त चित्त का परिणाम बताया गया है। लेकिन तनावग्रस्त मन का क्या करें? मन थकता ही नहीं। इन्द्रियां विषयों से निवृत्त होती ही नहीं। करें तो क्या करें? विषय विषाद देते हैं। प्रसाद फिसल जाता है।

ऊषा आ रही हैं। रात्रि विदा हो रही हैं। पूरा अस्तित्व जागरण से भर गया है। पक्षी कलरव कर रहे हैं। जो जागे हुए हैं, वे प्रातःकाल का सूर्य, तेज अनुभव कर रहे हैं। निद्रा पूरी नहीं है। मेरा मन करता है कि थोड़ा और सो लिया जाए। एक झपकी और। निद्रा रहस्य है। चरक संहिता में बताया गया है कि निद्रा के समय रजस् गुण की शिथिलता होती है, तम गुण का आच्छादन होता है। सत् गुण निष्क्रिय हो जाता है।

मैं अपना विश्लेषण करता हूं। स्वविश्लेषण ही अध्यात्म भी है। मैं प्रायः तमगुण के प्रवाह में ही रहता हूं। तम की सक्रियता का नेतृत्व रजस् करता है। रजस् का अर्थ ही सक्रियता है। मन थकता नहीं। इन्द्रियां विषयों से मुक्त नहीं होतीं। नींद की प्रतीक्षा बेचैन करती है। नींद जरूरी है। जैसी गहरी निद्रा वैसा ही उतना ही ऊंचा जागरण। शरीर निद्रा के समय ही पुनर्नवा ऊर्जा पाता है। टूटे कोष नये होते हैं। चरक संहिता में बताया है कि निद्रा से आरोग्य, शरीर का पोषण, बलवृद्धि, ज्ञानेन्द्रियों की उचित प्रवृत्ति और आयु नियत रूप में बनी रहती है।ह्व

यहां सबसे बड़ी बात है-ज्ञानेन्द्रियों की उचित प्रवृत्ति। अनिद्रा पीड़ित की ज्ञानेन्द्रियां अपना काम ठीक से नहीं करतीं। स्मृति पर भी प्रभाव पड़ता है।

निद्रा जरूरी है लेकिन कोई भी व्यक्ति स्वयं निद्रा में नहीं जा सकता। ज्यादा से ज्यादा हम लेट सकते हैं। निद्रा लाने में हम कर्ता नहीं हैं। निद्रा स्वयं आती है, हमारे बुलाने पर नहीं। हमारे प्रयास से वह और भी दूर भागती है। बिन बुलाए आना नींद की लत है। सरकारी बैठकों में नेता अफसर सोते देखे जाते हैं। वे बिना प्रयास ही सो जाते हैं। चरक या पतंजलि की मानें तो उनका मन विषयों से पृथक होता है और वे सो जाते हैं।निद्रा का अन्तः क्षेत्र मधुमय है। यह एक अज्ञात दिक्हीन, कालहीन चित्तदशा है। दिक्हीन इसलिए कि निद्रा का क्षेत्र भौगोलिक नहीं है। निद्रा में समय का अनुभव नहीं होता, निद्रा में काल नहीं होता लेकिन रस होता है। निद्रा से जागरण में वापसी की मुहूर्त बड़ी मधुरसा है। मन करता है थोड़ा और सो लूं, एक झपकी और। पूर्वजों ने आलस्य को बुरा कहा है लेकिन निद्रा से जागरण में आने वाले संधिकाल का आलस्य मुझे बहुमूल्य लगता है। आलस्य स्वतः कर्म प्रवृत्ति से भागने का नाम है। निद्रा का मधुमत्त आलस्य दूसरा ही है।

निद्रा ताजा करती है, ऊर्जा देती है, स्मृति और तेज ओज देती है तो भी इस अन्तः मधुक्षेत्र से हमारा परिचय नहीं। सामान्य बोलचाल में अच्छी नींद को मीठी नींद कहा जाता है। दुर्गा सप्तशती के रचनाकार ने निद्रा को देवी बताया और अनेकशः नमस्कार किया है। अनिद्रा के रोगियों को दवाइयां दी जाती हैं। वे शरीर में रासायनिक परिवर्तन लाती हैं। उनसे लाई गई कृत्रिम निद्रा मधुमत्त नहीं होती। जीवन मधुरस की इच्छा से भरापूरा है। यह सहज उपलब्ध है। सप्रयास नहीं। अनायास ही। निद्रा सप्रयास नहीं आती। प्रकृति का अन्तस् मधुरसा है। सुख स्वस्ति और संतुष्टि मधुरस हैं। आनंद मधुरसा है। आनंद मधुरसविहीन नहीं हो सकता। वृक्ष, वनस्पति मधुरसा हैं। नदियां और सारे जल भी। वाणी का मधु या मधुमय वाणी सबकी अभीप्सा है। मंत्रों का छन्दस मधु माधव है। स्वभाव अध्यात्म है और अध्यात्म की लब्धि मधु है।वृहदारण्यक उपनिषद् में धर्म को भी मधु बताया गया है। प्रीति रीति का मधु संसार व्यापी है। बादलों में भरा मधुकोष ऋग्वेद के ऋषियों ने ही देखा था। नृत्य का आस्वाद मधुमय है। सर्वभूतहित के सभी कर्म मधुकर्म और मधुरसा हैं। सर्वभूतहित संलग्न लोग मधुकर हैं। यह सृष्टि स्रष्टा का मधुकार्य है और द्रष्टा की मधु अनुभूति।

जॉर्डन, माइक्रोनेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका, वियतनाम से नहीं की जा सकती भारत की तुलना

विश्व बैंक ने अपना वार्षिक आय वर्गीकरण जारी किया तो दुनिया भर में चर्चा छिड़ गई। जॉर्डन, माइक्रोनेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका और वियतनाम पाँच देशों ने निम्न-मध्यम आय की श्रेणी छोड़कर अपर-मिडिल इनकम में प्रवेश कर लिया। सीमा $4,636 प्रति व्यक्ति प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय थी। भारत, जिसकी जीडीपी $3.95 ट्रिलियन के आसपास पहुँच चुकी है और जो दुनिया की सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। कई अर्थशास्त्री और राजनीतिक टिप्पणीकार तुरंत तुलना करने लगे कि वियतनाम और फिलीपींस आगे निकल गए, भारत पीछे रह गया। ऐसे में यहां कहना यही है कि ये तुलना की ही नहीं जा सकती है, क्योंकि भारत का क्षेत्रफल, राज्य और जनसंख्यिकी इस तरह की है कि इन देशों के सामने भारत के कई राज्य बड़े हैं, जिसमें कि प्रतिराज्य आय भी अलग-अलग है। फिर आप जब इन देशों के आंतरिक राज्यों के आंकड़ों को देखेंगे तो उनमें उस समान तुलनात्मक स्थिति में भारत के कई राज्य आज आगे दिखाई देते हैं।

अब यह तुलना भले ही आकर्षक लगती हो, किंतु गहराई से देखें तो यह अधूरी और कई मामलों में भ्रामक है। भारत कोई एक समरूप अर्थव्यवस्था नहीं है। यह 32.87 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल और 1.45 अरब आबादी वाला एक विशाल संघ है, जिसके भीतर आर्थिक स्तर इतने विविध हैं कि कई राज्य इन पाँच देशों के बराबर या उनसे बड़े हैं और प्रति व्यक्ति आय तथा संरचनात्मक परिवर्तन के मामले में आगे भी हैं।

उदाहरण स्वरूप आज आप दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्यों को ही ले सकते हैं। पहले ही उच्च-मध्यम मानकों को व्यक्तिगत स्तर पर पार कर चुके हैं। राष्ट्रीय औसत को लेकर इन छोटे देशों से भारत की तुलना करना उसी तरह है, जैसे एक बड़े राज्य के पूरे जिले की औसत आय को एक छोटे देश से तुलना करके निष्कर्ष निकाल लिया जाए और फिर उन्हें आथों में लेकर लहराना शुरू किया गया हो।

विश्व बैंक का वर्गीकरण एटलस विधि से गणना की गई सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) प्रति व्यक्ति पर आधारित होता है और हर साल एक जुलाई को अद्यतन किया जाता है। एफवाई 27 के लिए अपर-मिडिल की नई सीमा $4,636 से $14,375 तय हुई। वियतनाम की प्रति व्यक्ति आय लगभग $4,680-$4,970 के आसपास पहुँची, फिलीपींस $4,720-$4,850, जॉर्डन $4,880-$5,260, श्रीलंका $4,650-$4,670 और माइक्रोनेशिया $4,950 के आसपास। ये आंकड़े प्रभावशाली हैं, खासकर उन देशों के लिए जो कुछ वर्ष पहले आर्थिक संकट या संक्रमण से गुजर रहे थे। श्रीलंका 2022 के संकट से उबरकर वापस अपर-मिडिल में आया, वियतनाम ने निर्यात-आधारित विनिर्माण से छलांग लगाई। भारत का औसत $2,760 होने का मतलब यह नहीं कि पूरा देश उसी स्तर पर खड़ा है।

वस्तुतः हमें हमेशा ही यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत एवं इन देशों के बीच क्षेत्रफल और जनसंख्या का अंतर ही इतना बड़ा है कि प्रत्यक्ष तुलना अर्थ खो देती है। वियतनाम का क्षेत्रफल (3,31,210 वर्ग किमी) राजस्थान (3,42,239 वर्ग किमी) के लगभग बराबर है। फिलीपींस (लगभग 3 लाख वर्ग किमी) मध्य प्रदेश (3,08,252 वर्ग किमी) से मेल खाता है। जॉर्डन (89,342 वर्ग किमी) और बिहार (94,163 वर्ग किमी) का क्षेत्रफल लगभग समान है। श्रीलंका हिमाचल प्रदेश से थोड़ा बड़ा है, जबकि माइक्रोनेशिया गोवा से बहुत छोटा। जब इन देशों की जनसंख्या और भारतीय राज्यों की आबादी को साथ रखकर देखें तो अंतर और स्पष्ट हो जाता है। जॉर्डन में लगभग 1.16 करोड़ लोग रहते हैं, बिहार में 13 करोड़ से अधिक। वियतनाम की आबादी 10 करोड़ के आसपास है, राजस्थान की 8.35 करोड़। यह जनसांख्यिकीय भार प्रति व्यक्ति आय को सीधे प्रभावित करता है। मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन (एमओएसपीआई) के 2025-26 और 2026-27 के अग्रिम अनुमानों के आधार पर राज्य-स्तरीय आंकड़े देखें तो तस्वीर और साफ होती है। राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय लगभग $2,420 है, जो वियतनाम से काफी पीछे है। राजस्थान अभी भी कृषि पर 27 प्रतिशत से अधिक निर्भर है, जबकि वियतनाम ने द्वितीयक क्षेत्र को 38.5 प्रतिशत तक पहुँचाकर खुद को वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में स्थापित कर लिया।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

लाखों की सोलर लाइटें बनीं शो-पीस, साढ़े तीन साल में लाखों की राशि व्यर्थ

बरही : प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में 14वीं और 15वीं वित्त आयोग की राशि से लगाई गईं सोलर और स्ट्रीट लाइटें अब शोपीस बनकर रह गई हैं। कुछ दिनों तक रोशनी देने के बाद अधिकांश लाइटें मरम्मत के अभाव में खराब हो गईं। एक लाइट की कीमत करीब 18 हजार से 24 हजार रुपये तक बताई जाती है। इस तरह सरकारी राशि से लगाई गईं लाइटों पर खर्च लाखों रुपये की धनराशि मात्र साढ़े तीन वर्षों में व्यर्थ हो गई। विडंबना यह है कि खराब लाइटों की सुध न पंचायत स्तर पर ली गई और न ही संबंधित अधिकारियों ने मरम्मत की पहल की।

जानकारी के अनुसार, इन लाइटों को झारखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (जरेडा) के माध्यम से लगाया गया था। कहीं सामान्य स्ट्रीट लाइटें, तो कहीं बैट्री से संचालित सोलर लाइटें स्थापित की गई थीं। कोनरा के पूर्व मुखिया मो. ताजुद्दीन ने बताया कि इन लाइटों की वारंटी साढ़े तीन वर्ष थी। वारंटी अवधि समाप्त होने के बाद मरम्मत के लिए कोई अलग से राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। वहीं, करियातपुर के मुखिया मनोज कुमार ने बताया कि तकनीकी कारणों से पंचायत विकास की राशि से मरम्मत कराने के लिए ग्रामसभा में दोबारा प्रस्ताव नहीं लिया जा सका।

नतीजतन, सरकारी राशि से स्थापित लाइटें बेकार पड़ी हैं और कई मुहल्ले फिर अंधेरे में हैं। सवाल है कि वारंटी समाप्त होने के बाद इनके रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी थी? करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियां तैयार करने के बाद उनकी उपयोगिता बनाए रखने की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? ग्रामीणों ने खराब लाइटों की जांच और मरम्मत कराने की मांग की है। सरकारी राशि खर्च कर रोशनी का इंतजाम तो किया गया, लेकिन उसकी निरंतरता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं निभाई।

उपायुक्त ने परीक्षा के सफल व कदाचारमुक्त संचालन को लेकर परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण



साहिबगंज : झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे ने आज साहेबगंज एवं राजमहल अनुमंडल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।इस क्रम में उपायुक्त ने साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स, साहिबगंज, यूपीजी उच्च विद्यालय, जामनगर, राजमहल; प्लस टू उच्च विद्यालय, उधवा; पीएम श्री नगर पालिका बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज; सेंट जेवियर्स स्कूल अंग्रेजी माध्यम, साहिबगंज; सेंट जेवियर्स स्कूल हिंदी माध्यम, साहिबगंज व सेंट जोसेफ एकेडमी, साहिबगंज स्थित परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा एवं परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जबकि उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को निर्धारित दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा कदाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन की सतर्कता एवं समुचित व्यवस्था के बीच जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

रामलीला मैदान में वोट बचाओ, देश बचाओ महाआंदोलन में शामिल हुए मुन्ना सिंह

हजारीबाग : दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित ह्यवोट बचाओ, देश बचाओह्न महाआंदोलन में कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह शामिल हुए और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह आंदोलन देश के लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए उठी एक महत्वपूर्ण जनआवाज है।

महाआंदोलन में देशभर से विपक्षी दलों के नेता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। आंदोलन के दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं, मताधिकार की सुरक्षा तथा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। आंदोलन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की गई।

मुन्ना सिंह ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा बेहद जरूरी है। वोट देने का अधिकार केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की लोकतांत्रिक भागीदारी का आधार है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है, ताकि चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास मजबूत बना रहे।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लोकतंत्र की रक्षा, संविधान की मूल भावना को बनाए रखने और जनता के अधिकारों की सुरक्षा के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने देशवासियों से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होने तथा किसी भी प्रकार की कथित अनियमितता के खिलाफ शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की।

अपहृत कंपनी मैनेजर सकुशल बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चरही थाना क्षेत्र से अपहृत एक आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधक भास्कर कुमार (35) को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने अपहरण की घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से घटना में इस्तेमाल की गई एक क्रेटा कार, एक स्कॉर्पियो और एक पेन ड्राइव बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, बीते शनिवार रात करीब 8:30 बजे तापिन साउथ सीसीएल परियोजना, चरही में कार्यरत कंपनी के प्रबंधक भास्कर कुमार का अपहरण कर लिया गया था। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ़ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच में एक काले रंग की क्रेटा कार और दो स्कॉर्पियो वाहनों की संलिप्तता सामने आई।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा साहिबगंज जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में शांतिपूर्ण संपन्न

प्रथम पाली में 7 202 एवं द्वितीय पाली में 2 606 अभ्यर्थी हुए शामिल कुल 11,385 अभ्यर्थियों में 9,808 ने दी परीक्षा

विधि-व्यवस्था एवं कदाचार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 44 स्टैटिक दंडाधिकारी



संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड अधिविध परिषद, रांची द्वारा आज दिनांक 01 नवंबर, 2026 को आयोजित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 साहिबगंज जिले के सभी 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।परीक्षा के सुचारू संचालन, विधि-व्यवस्था के संधारण तथा कदाचार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। इसके तहत जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर 44 स्टैटिक दंडाधिकारी, 12 गश्ती दंडाधिकारी एवं 03 उड़नदस्ता दल के दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन की व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।परीक्षा में प्रथम पाली के लिए कुल 8,512 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 7,202 उपस्थित एवं 1,310 अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली में कुल 2,873 अभ्यर्थियों में से 2,606 उपस्थित एवं 267 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 11,385 अभ्यर्थियों में से 9,808 ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 1,577 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

केंद्रवार अभ्यर्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति का विवरण निम्नवत है

प्रथम पाली

परीक्षा केंद्रे कुल अभ्यर्थी उपस्थित ,अनुपस्थित

साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज 612,585,27संध्या इंटर कॉलेज, साहिबगंजे 480, 462,18,राजस्थान इंटर स्कूल, साहिबगंजे 240, 230,10,पब्लिक हाई स्कूल, साहिबगंजे 216,212, 04,मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, साहिबगंजे 264,254,10,पीएम श्री उत्क्रमित नगरपालिका बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंजे 156, 149, 07,जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंजे 280, 244,36,ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंजे 216, 156, 60,केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंजे 192 ,152 ,40,सेंट जेवियर्स स्कूल अंग्रेजी माध्यम, साहिबगंजे 790, 571,219,

सेंट जेवियर्स स्कूल हिंदी माध्यम साहिबगंजे 288, 215,73,सेंट जोसेफ अकादमी, साहिबगंज 180, 179, 01,पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बड़ा पंचगढ़, बोरियो 298,280,18,उच्च विद्यालय, तीनपहाड़े 500, 475, 25,उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जामनगर, राजमहले 490 474, 16,+2 उच्च विद्यालय, उधवो 700, 649,51,प्रोविडेंस स्कूल, साहिबगंजे 264, 223, 41,+2 उच्च विद्यालय, कोदरजन्ना, साहिबगंजे 410 ,307 ,103,+2 जे.के. उच्च विद्यालय, राजमहले 700,523,177, बि एल एन.एल. बोहरा इंटर कॉलेज, राजमहले 420,308 112,+2 उच्च विद्यालय, मंगलहाट, राजमहल 466, 317,149पीएम श्री मध्य विद्यालय, नया बाजार, राजमहल 350, 237,113,कुले 8,5127,202, 1,310, उपस्थित रहे। जबकि दूसरी पाली मेंपरीक्षा केंद्रे कुल अभ्यर्थी उपस्थिते अनुपस्थित,साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज 207,198, 09,संध्या इंटर कॉलेज, साहिबगंज 163, 156, 07,राजस्थान इंटर स्कूल, साहिबगंज 81, 78, 03,पब्लिक हाई स्कूल, साहिबगंज 73,69, 04,मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, साहिबगंज 89, 85,04,पीएम श्री उत्क्रमित नगरपालिका बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज 53 ,51,02,जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंज 95 ,86 09,ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंजे 73, 64, 09,केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंज 65,63, 02,सेंट जेवियर्स स्कूल अंग्रेजी माध्यम, साहिबगंजे 267, 243, 24,सेंट जेवियर्स स्कूल हिंदी माध्यम, साहिबगंज 97, 82,15,सेंट जोसेफ अकादमी, साहिबगंज 61, 54,07,पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बड़ा पंचगढ़, बोरियो 101,87,14,उच्च विद्यालय, तीनपहाड़े 169, 162,07,उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जामनगर, राजमहल 165,159, 06,+2 उच्च विद्यालय, उधवा 236, 225 ,11,प्रोविडेंस स्कूल, साहिबगंज 89 ,85, 04,+2 उच्च विद्यालय, कोदरजन्ना, साहिबगंज 138, 129, 09,+2 जे.के. उच्च विद्यालय, राजमहल 236, 198,38, बी एल एन.एल. बोहरा इंटर कॉलेज, राजमहले 141, 122, 19,+2 उच्च विद्यालय, मंगलहाट, राजमहल 157, 119, 38,पीएम श्री मध्य विद्यालय, नया बाजार, राजमहल,117 , 91,26,कुल 2,873 ,2,606, 267

परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन पर उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे ने सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षकों, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस बल एवं परीक्षा कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी एवं उन्होंने कहा कि सभी के सामुहिक प्रयास, सजगता एवं जिम्मेदारियों के परिणामस्वरूप जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 का आयोजन सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

गम्हरिया थाना परिसर में महिला से दुष्कर्म की घटना के विरोध



संवाददाता

साहिबगंज : सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में महिला के साथ दुष्कर्म की घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की ओर से साहिबगंज जिले के सभी 17 सांगठनिक मंडलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।भाजपा नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी एवं मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कानून-व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई।इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि गम्हरिया थाना परिसर में महिला के साथ हुई दुष्कर्म की घटना ने पूरे राज्य को शर्मसार किया है। जिस थाना परिसर में आम नागरिकों को सुरक्षा और न्याय मिलने की उम्मीद होती है,वहीं इस तरह की घटना सामने आना बेहद गंभीर चिंता का विषय है।उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त होता जा रहा है।गौतम यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जवाबदेही से बच नहीं सकती।सरकार को इस घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।साथ ही पीड़िता को न्याय और सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं की सुरक्षा और आम जनता के अधिकारों के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।पुतला दहन कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार से महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और प्रदेश में कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।मौके पर रामानंद साह गरिमा शाह,चांदनी देवी,अनुराग राहुल,अमर चौधरी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामानंद शाह जिला उपाध्यक्ष गरिमा शाह जिला मंत्री चांदनी देवी युवा नेता प्रेमलाल मंडल,राजीव चौधरी, अनंत सिन्हा, बिक्रम दास, संतोष चौधरी, पंकज चौधरी, अवधेश यादव, अर्धेन्दू बोस, मनोज चौधरी, रंजीत सिंह, मुकेश राज, बिकास सिंह, अमरनाथ मिश्रा, अरबिंद सिन्हा, दिनेश पांडेय, शुभम चौरसिया, स्वेता श्रीवास्तव, संगीता सिन्हा, अन्नू कुमारी, स्मिता गुप्ता एवम दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गम्हरिया थाना प्रकरण पर ललिता पासवान ने सरकार और पुलिस प्रशासन को घेरा निष्पक्ष जांच की मांग



संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में एक महिला के साथ पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगने के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मामले को लेकर भाजपा की पूर्व जिला उपाध्यक्ष ललिता पासवान ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।ललिता पासवान ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों पर है,उन्हीं पर इस तरह के गंभीर आरोप लगना बेहद चिंताजनक है।जिस थाने में महिलाएं सुरक्षा और न्याय की उम्मीद लेकर पहुंचती हैं,वहीं उनकी सुरक्षा पर सवाल खड़े होना पुलिस व्यवस्था और कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि जब रक्षक पर ही सवाल उठने लगें तो आम महिलाएं न्याय की उम्मीद किससे करेंगी?उन्होंने राज्य में अब तक महिला आयोग का गठन नहीं होने को लेकर भी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए।कहा कि महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के दावे तभी सार्थक होंगे,जब महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए मजबूत व्यवस्था और जवाबदेही सुनिश्चित हो।भाजपा नेत्री ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोपों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ बिना किसी दबाव या संरक्षण के सख्त कानूनी कार्रवाई हो।साथ ही पीड़िता को सुरक्षा,न्याय और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने कहा कि दोष सिद्ध होने पर संबंधित आरोपियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।ललिता पासवान ने कहा कि महिला सुरक्षा सरकार की कृपा नहीं,बल्कि महिलाओं का संवैधानिक अधिकार है।यह प्रकरण केवल एक महिला से जुड़ा मामला नहीं,बल्कि राज्य में कानून-व्यवस्था,महिला सम्मान और पुलिस प्रशासन की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय है।

साहिबगंज जिले के विद्यार्थियों में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह है : चंदन



संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर की ओर से आगामी तीन नवंबर को राँची में आयोजित होने वाले अराजकता रोको लोकतंत्र बचाओ छात्र गर्जना कार्यक्रम की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह उपस्थित रहे।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा,विद्यार्थियों की सहभागिता एवं संगठनात्मक तैयारियों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक में देश की एकता एवं अखंडता के विरुद्ध उठने वाली आवाजों,भारत के विभाजन की बातें करने वाले विचारों और चिकन नेक जैसे सामरिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र को लेकर दिए जा रहे विवादित बयानों सहित विभिन्न भारत विरोधी गतिविधियों के विरुद्ध परिषद द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी आंदोलन पर चर्चा हुई।आगामी 3 नवंबर को राँची में आयोजित होने वाली छात्र गर्जना में पूरे झारखंड के विभिन्न जिलों से 5000 से अधिक विद्यार्थियों के जुटने की संभावना है।इस विशाल छात्र समागम में प्रदेशभर के विद्यार्थी एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।साहिबगंज जिले से भी 300 से अधिक विद्यार्थियों के राँची पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह ने कहा कि भारत की एकता अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।जब देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों से जुड़े विषयों पर सवाल खड़े होते हैं।तब विद्यार्थियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव छात्रहित के साथ राष्ट्रहित के विषयों पर अपनी आवाज बुलंद करती रही है। 3 नवंबर को राँची में आयोजित होने वाली छात्र गर्जना प्रदेश के विद्यार्थियों की एकजुटता और लोकतांत्रिक सहभागिता का एक बड़ा उदाहरण बनेगी। नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि साहिबगंज जिले के विद्यार्थियों में इस कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह है।हम जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों तक इस कार्यक्रम का संदेश पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं।हमारा लक्ष्य है कि साहिबगंज से 300 से अधिक विद्यार्थी राँची पहुँचकर छात्र गर्जना में सहभागिता करें। 3 नवंबर को राँची की धरती पर झारखंड के हजारों विद्यार्थी एकजुट होकर छात्र शक्ति का परिचय देंगे।ह्यबैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर प्रदेश छात्रा सह प्रमुख सुश्री निधि सिंह,जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार,नगर सह मंत्री लक्ष्मी कुमारी, दीपिका कुमारी,पूर्णव कुमार, अनुप्रासन कुमार अमन भगत नीरज यादव,समीर कुमार अविनाश साह,बादल कुमार,रोशन कुमार,राजा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टी20 टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका, महली बियर्डमैन और ओली पीक शामिल

सिडनी। इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी वनडे और टी20 टीमों की घोषणा कर दी है। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, प्रतिभाशाली बल्लेबाज ओली पीक और ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स तथा लियाम स्कॉट को वनडे टीम में जगह दी गई है। वहीं, निकिल चौधरी और जोएल डेविस को टी20 टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शॉ और सैम हार्पर को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज 13 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। घरेलू मैदान पर होने वाली इस सीरीज में आठ नए खिलाड़ियों को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने का अवसर मिल सकता है। बियर्डमैन, पीक, एडवर्ड्स, चौधरी, स्कॉट और डेविस इस साल सर्दियों के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरों पर सफेद गेंद के अंतरराष्ट्रीय मैचों में पदार्पण कर चुके हैं। हार्पर और शॉ अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं।

मिचेल मार्श की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का मुख्य समूह बरकरार रखा गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आराम दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद टीम को दिसंबर से लगातार 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।



ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड वनडे सीरीज का कार्यक्रम

पहला वनडे : 13 नवंबर, पर्थ स्टेडियम, दोपहर 2:30 बजे (स्थानीय समय)।
दूसरा वनडे : 15 नवंबर, एडिलेड ओवल, दोपहर 2:30 बजे।
तीसरा वनडे : 18 नवंबर, बेलेरिव ओवल, होबार्ट, दोपहर 2:30 बजे।

केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में मिली हार के बाद ट्रेविस हेड, मैथ्यू रेनशॉ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस और कूपर कोनोली को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, ये खिलाड़ी टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऑस्ट्रेलिया को नौ दिसंबर से पर्थ में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर पिछले पांच में से तीन टेस्ट हारने के बाद वापसी की कोशिश करेगा। इसके बाद टीम भारत के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलेगी। मार्च में मेलबर्न में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष मुकाबला भी आयोजित होगा। महली बियर्डमैन ने पिछले साल जनवरी में लाहौर में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, लेकिन सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले अभ्यास के दौरान उन्हें परेशानी हुई। जांच में उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला, जिसके कारण उनका पिछला सत्र प्रभावित हुआ। चोट से उबरने के बाद उन्होंने अक्टूबर में भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से सीमित ओवरों के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। पुडुचेरी में एक मैच में उन्होंने छह ओवर में 23 रन देकर चार विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि बियर्डमैन उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें आने वाले वर्षों में तीनों प्रारूपों का खिलाड़ी बनाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया ए के लिए महली बियर्डमैन का हालिया प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।'

ओली पीक और जैक एडवर्ड्स ने क्रमशः रावलपिंडी और डरबन में वनडे पदार्पण किया था। बियर्डमैन और एडवर्ड्स ने लाहौर में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया, जबकि चौधरी और डेविस ने चटगांव में इस प्रारूप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। पीक ने जिम्बाब्वे दौरे के दौरान मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी। उन्होंने एक मैच के अंतिम ओवर में 24 रन बनाए थे। वहीं, एडवर्ड्स ने जोहानिसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी क्षमता साबित की थी। टी20 टीम में जेक फ्रेजर-मैकगर्क की 18 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है। मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। जॉर्ज बेली ने दोनों खिलाड़ियों की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा, ह्लजेक और मिच टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि उनकी बड़े शॉट खेलने की क्षमता छोटे प्रारूपों में टीम के लिए अंतर पैदा कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा, 'ये दोनों ऐसे खिलाड़ियों के अच्छे उदाहरण हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिला और उन्होंने उन अनुभवों से सीखकर अपने खेल पर लगातार काम किया है।' जोश इंग्लिस ने केपटाउन में तीसरे टेस्ट में शतक लगाया था और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह पाने की दौड़ में हैं। इसी वजह से उन्हें टी20 सीरीज से आराम दिया गया है। इससे पहली बार अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की दहलीज पर खड़े विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शॉ और सैम हार्पर के लिए अवसर खुला है।

शॉ को इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स की वनडे कप टीम का कप्तान बनाया गया था। निक मैडिनसन की अनुपस्थिति में उन्होंने शेफील्ड शील्ड टीम की भी अगुआई की। ऑस्ट्रेलिया ए के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वहीं, हार्पर पिछले सत्र में बिग बैश लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट टीम में भी जगह बनाई थी, हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला।

बेली ने शॉ की तारीफ करते हुए कहा, ह्लउनकी शॉ बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। हमें लगता है कि वह तेजी से विकास करेंगे। उनका खेल काफी दमदार है और टी20 प्रारूप में टीम को फायदा पहुंचा सकता है।ह्व

हार्पर को लेकर उन्होंने कहा, ह्लसैम हार्पर घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस समय वह अपने खेल को लेकर शानदार स्थिति में हैं और सभी प्रारूपों में अपनी शैली के अनुसार निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं। तेज गेंदबाज नाथन एलिस दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सितंबर के अंतिम सप्ताह में दूसरे वनडे के दौरान लगी पसली की मांसपेशियों की चोट से उबर रहे हैं। इसी कारण वह वनडे सीरीज से बाहर हैं, लेकिन टी20 सीरीज में वापसी करेंगे। वहीं, मैट शॉर्ट को इस साल सीमित ओवरों की टीम में जगह नहीं मिली है। कूल्हे की सर्जरी के बाद वह अगले पांच सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, कैमरन ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, ओली पीक, मैथ्यू रेनशॉ, लियाम स्कॉट और एडम जम्पा। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, निकिल चौधरी, टिम डेविड, जोएल डेविस, जैक एडवर्ड्स, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, सैम हार्पर, स्पेंसर जॉनसन, मिच ओवेन, लचलान शॉ और एडम जम्पा।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र बाहर



नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से उबर रहे हैं, लेकिन चार नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चैपमैन को यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हाल ही में कराई गई एमआरआई जांच के बाद उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए दो सप्ताह और पुनर्वास की जरूरत है। वहीं, रचिन रवींद्र एक प्रचार कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान हुए हादसे में दाएं कंधे की हड्डी खिसकने के कारण चोटिल हो गए थे। उन्हें भी मैदान पर पूरी क्षमता से उतरने के लिए अभी और समय चाहिए।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि चैपमैन और रचिन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। चैपमैन चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि रचिन का कंधा अभी सफेद गेंद के क्रिकेट में आराम से क्षेत्ररक्षण करने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है, इसलिए टीम उनके मामले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है।

किमी एंटोनेली के पहले फॉमूर्ला-1 विश्व चैंपियन बनने पर स्टेफानो डोमेनिकली ने दी बधाई



नई दिल्ली । फॉमूर्ला-1 के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेफानो डोमेनिकली ने किमी एंटोनेली को पहली बार ड्राइवर विश्व चैंपियन बनने पर बधाई दी है। उन्होंने एंटोनेली की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में विश्व चैंपियन बनना उनकी असाधारण प्रतिभा, साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। डोमेनिकली ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि एंटोनेली को विश्व चैंपियन बनते देखना उनके लिए गर्व का क्षण है। वह 1953 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद फॉमूर्ला-1 विश्व चैंपियन बनने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी हैं। इटली ने इस उपलब्धि के लिए 73 वर्षों तक इंतजार किया है और अब पूरा देश अपने इस खिलाड़ी की सफलता का जश्न मनाएगा। उन्होंने कहा कि महानता केवल रिकॉर्ड बनाने से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने से भी तय होती है। एंटोनेली ने दुनियाभर के लाखों प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को दिखाया है कि समर्पण, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत से किसी भी बड़े सपने को हकीकत में बदला जा सकता है। डोमेनिकली ने कहा कि आज एंटोनेली का नाम इस खेल के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गया है। फॉमूर्ला-1 के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा है और उन्हें विश्वास है कि यह एंटोनेली के शानदार करियर की सिर्फ शुरूआत है। उन्होंने इस ऐतिहासिक सफलता के लिए एंटोनेली, मर्सिडीज टीम और उनके परिवार को बधाई दी। साथ ही कहा कि पूरा फॉमूर्ला-1 समुदाय इस खास उपलब्धि का जश्न मनाने में उनके साथ है



साउथ एसेंट को लेकर आलोचना पर रश्मिका के सपोर्ट में उतरे जावेद

करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में रश्मिका मंदाना को उनके एक्सेंट को लेकर ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा। इस शो में रश्मिका अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ पहुंची थीं। जहां उनके एक्सेंट पर उनकी आलोचना हो रही है, वहीं जावेद अख्तर ने उनका बचाव किया है। हाल ही में 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में रश्मिका मंदाना के साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर दिए गए बयान के बाद से उनकी आलोचना हो रही है। अब मशहूर गीतकार और स्क्रीन राइटर जावेद अख्तर, रश्मिका मंदाना के सपोर्ट में आए हैं। जावेद अख्तर ने रश्मिका के एक्सेंट की बुराई करने वालों को आड़े हाथों लिया और उन्हें चैलेंज दिया कि किसी और की भाषा को जज करने से पहले वे तमिल में कुछ लाइनें बोलें। वहीं एक्ट्रेस मधु ने भी एक्सेंट को लेकर रश्मिका को सपोर्ट किया है। दरअसल, 'कॉफी विद करण' में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने उच्चारण, भाषा और परफॉर्मेंस के लिए ट्रोल होने के बारे में बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा था कि वह साउथ इंडियन हैं, जिस वजह से उनका वही एक्सेंट निकलकर सामने आएगा।

मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने बढ़ाया कदम

'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे रॉकिंग स्टार यश!

मुंबई 'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म के प्रोड्यूसिंग पार्टनर यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग अब कर्नाटक में फिल्म की रिलीज की जिम्मेदारी संभालेगा। रावण बनकर बड़े पर्दे पर छाने की तैयारी कर रहे रॉकिंग स्टार यश का 'रामायण' से जुड़ाव अब एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है। मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है।

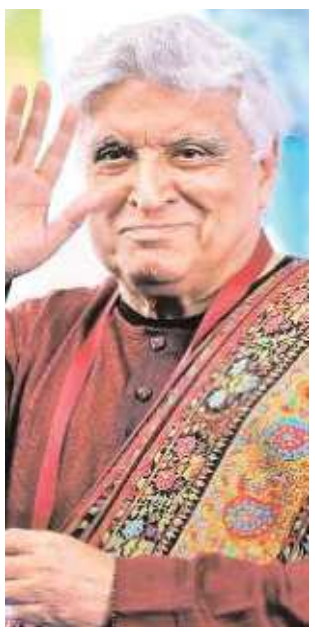
पवित्रा पुनिया ने की एकता की अपील

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने लोगों को सभी धर्मों का सम्मान करने और देश में एकता बनाए रखने कि अपील की। साथ ही, उन्होंने भारत में चल रहे विरोध-प्रदर्शन से बिजनेस पर पड़ रहे असर और जेन जी पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि



फेस्टिव सीजन के दौरान 3000 करोड़ के नुकसान की खबरें आ रही हैं लेकिन लोग बिना किसी जानकारी के इस तरह की खबरें सुनकर मजाक उड़ाते हैं।

वीडियो में वह कहती हैं, 'पहली बार ही मैंने विरोध-प्रदर्शन को गलत बताया था और कहा था कि मैं इसके खिलाफ हूं। अब सभी ने अपडेट देखा होगा कि इस विरोध से बाजार और बिजनेस पर किस तरह का असर पड़ा है। मुझे लगता है कि जो आंकड़ा बताया गया है, वो त्योहार के दौरान 3000 करोड़ रुपये के नुकसान का है। उस समय लोगों ने बहुत मजाक उड़ाया था और उन्हें पता था कि किसी बात का जवाब कैसे देना है।' उन्होंने आगे कहा, 'आप लोगों को इस बात को गंभीरता से लेना होगा। अगर आप उन लोगों को देख पा रहे हैं, जो दो वक्त की रोटी के संघर्ष कर रहे हैं, तो क्या आपको लगता है कि आप देश को बचाने या उसके लिए अच्छा करने की दिशा में काम कर रहे हैं? आपने जहां से शुरुआत की थी, यह वह जगह नहीं है। अभिनेत्री ने देश की आर्थिक स्थिति और चुनौतियों पर जोर देते हुए कहा, 'अगली बार किसी भी वीडियो पर हंसने से पहले समझिएगा कि अगर मैंने कहा है कि आने वाले समय में देश को आर्थिक समस्या और दूसरी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, तो उसके पीछे कोई वजह है।



जावेद अख्तर ने विज्ञान और तकनीक को कला के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर दिया जोर

वरिष्ठ पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी को उदार कलाओं (लिबरल आर्ट्स) के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया है। जावेद अख्तर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ उदार कलाओं (लिबरल आर्ट्स) के समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इतिहास, साहित्य, कविता और चित्रकला जैसे विषयों का ज्ञान एक संतुलित व्यक्तित्व के लिए बेहद जरूरी है। अख्तर ने बातचीत में कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मानव प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन कला और मानवीय विषयों की समझ ही इंसान को कंप्यूटर और रोबोट से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी बहुत महत्वपूर्ण हैं। लेकिन लिबरल आर्ट्स की भी कुछ समझ होना जरूरी है। यही एक इंसान और कंप्यूटर या रोबोट के बीच का अंतर है।' गीतकार ने आगे कहा कि लोगों को अपने-अपने क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि लिबरल आर्ट्स का अध्ययन करने वालों को भी विज्ञान की बुनियादी समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'इसी तरह विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी लिबरल आर्ट्स की जानकारी होनी चाहिए। इतिहास, साहित्य, कविता, चित्रकला और लोक कलाएं, इन सबकी समझ जरूरी है।



कभी बॉलीवुड की टॉप सिंगरों में थीं सुमार

फिर एक फैसले ने बदल दी अनुराधा पौडवाल के करियर की दिशा



हिंदी सिनेमा में कुछ आवाजें ऐसी हैं, जिन्हें सुनते ही पुराने गानों की यादें ताजा हो जाती हैं। अनुराधा पौडवाल भी ऐसी ही गायिकाओं में से एक हैं। 80 और 90 के दशक में उनकी आवाज का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोलता था। उनके गाने हर तरफ सुनाई देते थे, तो कई लोग तो उनकी तुलना दिग्गज गायिका लता मंगेशकर से भी करते थे। 'आशिकी', 'दिल है कि मानता नहीं' और 'बेटा' जैसी फिल्मों के गानों ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि जब उनका करियर बुलंदियों पर था, तभी उन्होंने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने उनकी जिंदगी और करियर की दिशा बदल दी। अनुराधा पौडवाल का जन्म 27 अक्टूबर 1954 को हुआ था। उनका बचपन मुंबई में बीता। बचपन से ही फिल्मों और संगीत के प्रति उनका लगाव था। उन्होंने साल 1973 में आई अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की फिल्म 'अभिमान' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद अनुराधा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया में अपनी जगह बनानी शुरू कर दी। फिल्म 'आप बीती' में उन्हें एकल गीत गाने का मौका मिला। आगे चलकर उन्होंने कई संगीतकारों के साथ काम किया और अपनी आवाज से लोगों का दिल जीत लिया। अनुराधा पौडवाल के करियर में बड़ा बदलाव फिल्म 'हीरो' के गानों की सफलता के बाद आया। संगीतकार लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ उनकी जोड़ी खूब जमी। इसके बाद उन्होंने 'मेरी जंग', 'राम लखन' और 'तेजाब' जैसी फिल्मों में भी कई यादगार गाने गाए। 90 के दशक में नदीम-श्रवण के संगीत से सजी फिल्म 'आशिकी' ने उनकी लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। इस फिल्म के गाने 'नजर के सामने', 'धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना' और 'जाने जिगर जानेमन' आज भी संगीत प्रेमियों के पसंदीदा गानों में शामिल हैं।

चक्रवात 'मुरसु' का खतरा,

चेन्नई और तिरुवल्लूर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात ह्यमुरसुह्व के बनने के बाद तमिलनाडु के चेन्नई और तिरुवल्लूर जिलों में अत्यधिक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने सुरक्षा के मद्देनजर कई एहतियाती दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव चक्रवाती तूफान में बदल गया है। मौजूदा उत्तर-पूर्वी मानसून सीजन में यह दूसरा चक्रवात है, जिसे ह्यमुरसुह्व नाम दिया गया है। फिलहाल, चक्रवात चेन्नई से करीब 560 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण पूर्व और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से लगभग 660 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित है।

तमिलनाडु आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंसी (टीएनडीआरआरए) के राजस्व प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन आयुक्त चंद्र मोहन ने बताया कि चक्रवात की लगातार निगरानी की जा रही है। फिलहाल इसके दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने की जानकारी है। अगले कुछ दिनों तक उत्तरी तमिलनाडु में भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई गई है।

प्रशासन ने लोगों से समुद्र तट और तटीय सड़कों से दूर रहने, जलभराव वाले इलाकों तथा अंडरपास में जाने से बचने की अपील की है। इसके अलावा घरों में पीने का पानी, जरूरी दवाइयां, टॉर्च, पावर बैंक और चार्ज मोबाइल फोन तैयार रखने की सलाह दी गई है।

विभाग ने लोगों को छतों और बालकनी में रखी ढीली वस्तुओं को सुरक्षित करने तथा नालियों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम से जुड़ी जानकारी के लिए केवल आईएमडी, टीएनडीआरआरए और जिला प्रशासन की आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। इसके साथ ही आपात स्थिति के लिए राज्य आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1070 और जिला आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1077 जारी किया है। वहीं, लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, सतर्क रहें और जारी सुरक्षा निदेशों का पालन करें।

नेपाल : बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित निकाला गया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के ऊपरी डोल्पा में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। बर्फबारी के कारण एक नवंबर से इन पर्यटकों का संपर्क टूट गया था। सोमवार सुबह हेलीकॉप्टर से उनका रेस्क्यू किया गया। सुबह 6:30 बजे उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर ने सबसे पहले दोनों महिलाओं को सुरक्षित निकालकर जिला मुख्यालय दुनै पहुंचाया। उनकी स्वास्थ्य स्थिति सामान्य थी। इसके बाद हेलीकॉप्टर दोबारा घटनास्थल पर पहुंचा और शेष चार पुरुषों को भी सुरक्षित निकाल लिया।

डोल्पा की प्रमुख जिला अधिकारी जुनु हमाल ढकाल ने सभी छह भारतीय पर्यटकों के सुरक्षित रेस्क्यू की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सभी की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य है। जिला प्रशासन कार्यालय, डोल्पा को एक नवंबर को सूचना मिली थी कि बर्फबारी के कारण पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्हें निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन प्रतिकूल मौसम और हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करने में कठिनाइयों के कारण रेस्क्यू अभियान में देरी हुई। जिला प्रशासन कार्यालय ने कहा कि भारतीय पर्यटकों ने आवश्यक प्रशासनिक अनुमति लिए बिना ही ऊपरी डोल्पा की यात्रा की थी। ये पर्यटक डोल्पो बुद्ध धो से शे-फोक्सुंडो स्थित फोक्सुंडो झील की ओर लौटते समय नुमला और वागला दर्रों के आसपास फंस गए थे।

न्यूज IN ब्रीफ

सराफा बाजार में सांकेतिक गिरावट, सोना और चांदी की कीमत में मामूली कमी

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले दिन घरेलू सराफा बाजार में सोमवार को शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के अलग अलग सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,38,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत 332.32 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार



अररिया । सूखे नशे के खिलाफ अररिया पुलिस का अभियान लगातार जारी है। ऑपरेशन प्रहार के तहत जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 332.32 ग्राम स्मैक के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में एक पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का निवासी भी शामिल है। मामले में सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने बताया कि अररिया नगर थाना पुलिस ने सबसे अधिक 194.74 ग्राम स्मैक के साथ अकबर अली नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का रहने वाला है। वहीं, ताराबाड़ी थाना पुलिस ने 26.58 ग्राम स्मैक के साथ विकास विश्वास उर्फ विकास यादव को गिरफ्तार किया। जबकि पलासी थाना पुलिस ने 111 ग्राम स्मैक के साथ तजम्मुल नामक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एसडीपीओ सुशील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर स्मैक तस्करी के नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। इस मामले में बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच की जा रही है, ताकि नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि जांच के दौरान इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अररिया पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। सूखे नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

57 क्विंटल सरकारी राशन गायब, निलंबित कोटेदार पर एफआईआर दर्ज

अमेठी। गरीबों के हिस्से का सरकारी राशन हड़पने के मामले में उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में जामों विकासखंड की ग्राम पंचायत राजामऊ के निलंबित कोटेदार पचईराम के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच में दुकान से 57.24 क्विंटल गेहूं-चावल और 45 किलोग्राम चीनी गायब मिली है। जिलाधिकारी के निर्देश और अनुमति के बाद पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर थाना जामों पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत एफआईआर दर्ज की है। मामले का खुलासा ग्रामीणों की शिकायत के बाद हुआ। आरोप था कि कोटेदार ने सितंबर माह का राशन वितरित करने के नाम पर उपभोक्ताओं से ई-पॉश मशीन पर अंगूठा लगवा लिया, लेकिन उन्हें खाद्यान्न नहीं दिया। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और जिलाधिकारी से शिकायत कर राशन हड़पने का आरोप लगाया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में वितरण संबंधी अनियमितताएं मिलने पर जिलाधिकारी के अनुमोदन से 14 अक्टूबर को पचईराम की उचित दर दुकान निलंबित कर दी गई थी। दुकान को घाटमपुर के कोटेदार महेश कुमार से संबद्ध करते हुए शेष खाद्यान्न, ई-पॉश मशीन और अन्य उपकरण सौंपने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, महेश कुमार ने अवशेष राशन नहीं मिलने की शिकायत की। इसके बाद 27 अक्टूबर को पूर्ति निरीक्षक सत्येंद्र प्रसाद ने दुकान का भौतिक सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान अभिलेखों और मौके पर उपलब्ध खाद्यान्न में भारी अंतर मिला। अभिलेखों के अनुसार दुकान में 31.29 क्विंटल गेहूं और 46.95 क्विंटल चावल होना चाहिए था, जबकि मौके पर केवल आठ क्विंटल गेहूं और 13 क्विंटल चावल मिला। इस प्रकार 23.29 क्विंटल गेहूं और 33.95 क्विंटल चावल समेत कुल 57.24 क्विंटल खाद्यान्न कम पाया गया। इसके अतिरिक्त 45 किलोग्राम चीनी भी गायब मिली। जिलाधिकारी से 30 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कराने की अनुमति मिलने के बाद 31 अक्टूबर को पूर्ति निरीक्षक ने थाना जामों में तहरीर दिया। जामों थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर 31 अक्टूबर को ही रात में ही मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया था। पंजीकृत मुकदमे की विवेचना उप निरीक्षक दलजीत सिंह को सौंपी गई है। अब पुलिस मामले की विवेचना कर आगे की कार्रवाई करेगी।

दक्षिण वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना की जवाबी कार्रवाई से तालिबानी लड़ाके चौकियां छोड़कर भागे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। दक्षिण वजीरिस्तान के अंगूर अड्डा इलाके में अफगान तालिबान की सीमा चौकियों से पाकिस्तानी ठिकानों पर कथित तौर पर बिना उकसावे के गोलीबारी की गई। इसके जवाब में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए अफगान सीमा की कई चौकियों, मोर्टार ठिकानों और रक्षात्मक ढांचों को निशाना बनाया। दक्षिण वजीरिस्तान के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) के अनुसार, जवाबी कार्रवाई के बाद अफगान तालिबान के लड़ाके अपनी चौकियां छोड़कर भाग गए। पाकिस्तान की उर्दू टीवी चैनल दुनिया न्यूज और अंतरराष्ट्रीय मीडिया जिओ न्यूज के मुताबिक, डिप्टी कमिश्नर ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अंगूर अड्डा क्षेत्र में अफगान सीमा चौकियों से पाकिस्तानी सुरक्षा ठिकानों पर लगातार गोलीबारी की गई थी। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी के मुताबिक, इस गोलीबारी में पाकिस्तानी सीमावर्ती इलाकों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार हैं। यह घटनाक्रम 27 अक्टूबर की रात अंगूर अड्डा इलाके में हुई गोलीबारी के कुछ दिनों बाद सामने आया है। पाकिस्तानी अधिकारियों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उस दौरान अफगान तालिबान की ओर से नागरिक घरों और अंगूर अड्डा बाजार को निशाना बनाकर गोलीबारी की गई थी। इस दौरान एक रिहायशी इलाके में मोर्टार का गोला गिरने से एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। गोलाबारी में बाजार की कई दुकानों को भी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अफगान सीमा पर स्थित कई तालिबानी चौकियों को निशाना बनाया।

उज्जैन : राजा स्वरूप में सजे बाबा महाकाल

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती विशेष पूजन और श्रृंगार के साथ संपन्न हुई। सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही गर्भगृह में विराजित देवी-देवताओं का पूजन किया गया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान का भांग, चंदन और आभूषणों से राजा स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। भस्म आरती की शुरूआत प्रथम घंटाल बजाकर भगवान का ध्यान करने के साथ हुई। मंत्रोच्चार के बीच हरिओम जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक



पर भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर महानिवार्णी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई।

दीपावली पर युवाओं को रोजगार की सौगात देगी योगी सरकार वाराणसी में तीन दिवसीय मेगा जॉब फेयर मंगलवार से

- 3 से 5 नवंबर तक तीन स्थानों पर लगेंगे रोजगार मेले, हर दिन करीब 40 कंपनियां करेंगी प्रतिभाग
- हाईस्कूल से स्नातकोत्तर डिप्लोमा और आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका
- 12 हजार से 35 हजार रुपये तक मासिक वेतन वाली नौकरियों के अवसर

एजेंसी



वाराणसी। दीपावली के अवसर पर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार का बड़ा अवसर देने जा रही है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत वाराणसी में तीन दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से 3 से 5 नवंबर तक जिले के तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होने वाले इन रोजगार मेलों में प्रतिदिन करीब 40 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी।

रोजगार मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। कंपनियां अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता, तकनीकी दक्षता और कौशल के आधार पर चयन करेंगी। चयनित युवाओं को 12 हजार से 35 हजार रुपये तक मासिक वेतन वाली नौकरियां मिल सकती हैं। वहीं, कुछ पदों पर चार लाख रुपये से अधिक सालाना पैकेज पाने का अवसर भी उपलब्ध होगा। वाराणसी के सहायक निदेशक (सेवायोजन) मुकेश कुमार ने बताया कि रोजगार मेले का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। इसके तहत 3 नवंबर को जगतपुर इंटर कॉलेज, जगतपुर में पहला मेला लगेगा। 4 नवंबर को क्रीडेंस इंटरनेशनल स्कूल, उमरहा बाजार (गाजीपुर रोड) में दूसरे मेले का आयोजन होगा, जबकि 5 नवंबर को क्वींस इंटरमीडिएट कॉलेज, लहुराबीर में तीसरा रोजगार मेला लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक स्थान पर करीब 40 कंपनियों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है। इससे अभ्यर्थियों को एक ही परिसर में कई कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने, साक्षात्कार देने और अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी हासिल करने का अवसर मिलेगा। रोजगार मेले में डिक्सन, मदरसन, कोटक महिंद्रा बैंक, विकास ग्रुप, स्विगी, आईसीआईसीआई बैंक, साटा विकास प्राइवेट लिमिटेड, वर्धमान फैब्रिक्स, टोकल कोगल प्राइवेट लिमिटेड, डिलीवरी, फ्लिपकार्ट, केल्विन पाइप्स, रेजोन सोलर लिमिटेड और कृष्णा मारुति सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिभाग करने की जानकारी दी गई है।

समस्तीपुर कोर्ट से फरार हुए कुख्यात का हाजीपुर में एनकाउंटर, दाहिने पांव में लगी गोली

एजेंसी

एसटीएफ और पुलिस टीम ने खुद का बचाव करते हुए मोर्चा संभाला और अपराधी को दबोच लिया

मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से पुलिस ने हथियार भी बरामद किया है। घायल अपराधी की पहचान दिग्घी कला निवासी चंदेश्वर राय के पुत्र राज नंदन कुमार उर्फ छोटू के रूप में की गई है। पुलिस की टीमें अब इस बात की जांच कर रही हैं कि इस शातिर अपराधी के साथ वहां और कौन-कौन से लोग मौजूद थे। पकड़े गए कुख्यात अपराधी का पुराना इतिहास रहा है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ लूट और आर्म्स एक्ट समेत करीब 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह वैशाली और समस्तीपुर पुलिस के लिए लंबे समय से वांछित चल रहा था। बताया जाता है कि छोटू समस्तीपुर के बहुचर्चित अनिल ज्वेलर्स लूटकांड का मुख्य आरोपी है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार कई इलाकों में छापेमारी कर रही थीं। यह शातिर अपराधी पहले भी कानून की गिरफ्त से भाग चुका है। वर्ष 2025 में न्यायालय में पेशी के दौरान वह पुलिस को चकमा देकर समस्तीपुर कोर्ट परिसर से फरार हो गया था। इसके बाद से ही जिला पुलिस और एसटीएफ की विशेष टीमें उसकी सरगर्मी से तलाश में जुटी थीं। इस एनकाउंटर के बाद पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है और उसके नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। मुठभेड़ की सूचना मिलने पर एसएसपी शुभांक मिश्रा और सदर एसडीपीओ-1 सुबोध कुमार तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गहन जांच की। एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

पटना। बिहार में वैशाली जिले के मरमला चौर (खाली स्थान भूमि का) में समस्तीपुर कोर्ट से फरार हुए अपराधी राज नंदन कुमार ऊर्फ छोटू की बीते देर रात पुलिस ने एनकाउंटर किया है। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। जख्मी का इलाज हाजीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है।

वैशाली पुलिस के मुताबिक वैशाली जिला पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम गुप्त सूचना के आधार पर सदर थाना क्षेत्र के मरमला चौर में छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि यह शातिर अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में वहां छिपा हुआ है। इसी दौरान खुद को पुलिस से घिरा देखकर उसने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में लगी।

पंजाब : अमृतसर में आआपा विधायक एवं पूर्व आईपीएस कुंवर विजय प्रताप का इस्तीफा

एजेंसी



चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने पंजाब विधानसभा की सदस्यता से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी देते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि विधायक के तौर पर उन्होंने अपने निर्धारित लक्ष्यों में से 90 प्रतिशत लक्ष्य पूरे कर लिए हैं।

कुंवर विजय प्रताप सिंह ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि राजनीति में ह्यमाई-बाप संस्कृतिह्व को खत्म करना रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जनता को अपनी प्रेरणा का स्रोत मानकर काम किया है। पंजाब के भविष्य को लेकर उन्होंने सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए कहा कि राज्य इस समय नशे, फिरौती, गैंगस्टरवाद और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। पंजाब को फिर से उसकी प्रगतिशील पहचान दिलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पंजाब विधानसभा में अमृतसर से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाया। इनमें पानी की आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, सर्किट हाउस, कंपनी बाग, गंदे नाले, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, सरकारी मेडिकल कॉलेज, सरूप रानी कॉलेज और बरगाड़ी बेअदबी कांड जैसे मुद्दे शामिल हैं।

पूर्व आईपीएस ने दावा किया कि विधानसभा में पहली बार उन्होंने गलियों और मोहल्लों के नाम लेकर क्षेत्र विशेष की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कहा कि भविष्य में उनकी राजनीतिक गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ राजनीति और पारदर्शी प्रशासन होगा। उनका एकमात्र लक्ष्य ह्यपंजाब फर्स्टह्व है और इसके अलावा उनका कोई निजी हित नहीं है।

कुंवर विजय प्रताप सिंह ने अपना इस्तीफा पंजाब विधानसभा के स्पीकर को सौंप दिया है। वह 24 घंटे से भी कम समय में इस्तीफा देने वाले आम आदमी पार्टी के तीसरे विधायक हैं।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तूफानी तेजी

सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई बड़ी छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का माहौल बना हुआ है। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बाजार की शुरूआत शानदार बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली का जोर बनार दिया जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की मजबूती और बढ़ गई।रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों के सपोर्ट से शुरू हुई इस खरीदारी के दम पर बाजार लगातार ऊंचाई की ओर बढ़ता गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह करीब 10 बजे सेंसेक्स 1.27 प्रतिशत और निफ्टी 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज



718.71 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की दमदार बढ़त दर्ज करते हुए 75,178.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में लिवाली का दौर शुरू हो गया। खासकर, रिलायंस जैसे बड़े हैवीवेट शेयर में आई तूफानी तेजी से बाजार को शुरूआती बूस्ट मिला, जिससे यह सूचकांक शुरूआती कुछ मिनटों के भीतर ही उछल कर 75,489.70 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 942 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की शानदार मजबूती के साथ 75,401.53 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 169.20 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की दमदार उछाल के साथ 23,222.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही रिलायंस, टाटा स्टील और एसबीआई जैसी दिग्गज कंपनियों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते इस सूचकांक की चाल ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही चौतरफा खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी शुरूआती कारोबार में ही 23,330.70 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी इसी लिवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 252.45 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,305.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,966 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,134 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 832 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 5 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

आज सुबह 10 बजे तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज 6.76 प्रतिशत की तूफानी बढ़त के साथ सबसे आगे बना हुआ था। इसके अलावा टाटा स्टील 4.24 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 3.91 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज 3.61 प्रतिशत और एनटीपीसी 3.11 प्रतिशत की तगड़ी मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर, बाजार की इस ऐतिहासिक तेजी के बीच भी टॉप लूजर्स में सन फार्मास्युटिकल्स 1.33 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल्स 1.09 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 0.60 प्रतिशत, बजाज ऑटो 0.45 प्रतिशत और अदानी पोर्ट्स 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 308.49 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,459.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 116.35 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,053.10 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

बकाया भुगतान पर ठप हुई मुफ्त जांच, गरीब मरीजों की बढ़ी परेशानी

मेदिनीनगर : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित मणिपाल हेल्थ मैप सेंटर में एक नवंबर से बीपीएल मरीजों के लिए मुफ्त अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन की सुविधा बंद हो गई है। इससे गरीब मरीजों को निजी जांच केंद्रों में पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। अस्पताल का सरकारी अल्ट्रासाउंड भी खराब होने से गर्भवती महिलाओं समेत अन्य मरीजों की परेशानी बढ़ गई है।

मणिपाल हेल्थ मैप सेंटर के मैनेजर शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2024 से सरकार के पास करीब एक करोड़ 24 लाख रुपये बकाया हैं। भुगतान नहीं होने के कारण मुफ्त जांच सेवा बंद करनी पड़ी है।

वहीं, अस्पताल प्रबंधक सुमित सिन्हा ने कहा कि कंपनी को जल्द भुगतान किया जाएगा। इसके बाद मुफ्त जांच सेवा फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

लचरागढ़ क्रिकेट क्लब ने 241 रनों की शानदार जीत के साथ लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की



सिमडेगा : लचरागढ़ क्रिकेट क्लब ने परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए, सिमडेगा जिला अंडर-16 क्रिकेट लीग 2026-27 में अपनी पहली जीत हासिल की। उन्होंने पिवट क्रिकेट क्लब 'बी' को 241 रनों के बड़े अंतर से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, लचरागढ़ ने 27.1 ओवर में 261 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कप्तान आर्य नायक ने शानदार खेल दिखाते हुए 51 गेंदों पर 68 रन बनाए और 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता। सतीश नायक ने भी बेहतरीन अर्धशतक (52 गेंदों पर 59 रन) जड़कर उनका बखूबी साथ दिया। लक्ष्य का बचाव करते हुए, लचरागढ़ के गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया और पिवट क्रिकेट क्लब 'बी' को 10.1 ओवर में सिर्फ 20 रनों पर ऑलआउट कर दिया। सतीश नायक ने अपने 1.1 ओवर में बिना कोई रन दिए 4 विकेट चटकाए और एक शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। वहीं, राज नायक ने घातक गेंदबाजी करते हुए 1 ओवर में 0 रन देकर 2 विकेट लिए। इस ऐतिहासिक और दमदार प्रदर्शन से लचरागढ़ क्रिकेट क्लब का मनोबल काफी बढ़ा है, जिससे उन्हें जिला डिवीजन लीग में आगे के मैचों के लिए अच्छी लय मिलेगी।

इस टूनार्मेंट में लचरागढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के खिलाड़ीः-

आर्य नायक (कप्तान) रोहन कुमार (विकेटकीपर) विराट कुमार नायक, राजवीर साहू, उज्ज्वल सेन नायक, सतीश नायक, राज नायक, बिष्णु लोहरा, समरदीप साहू, लकी नायक, ओम पंडा, बख्तर शामिल थे।

केंद्रीय दुर्गा पूजा समन्वय समिति की हुई महत्वपूर्ण बैठक, 55 पूजा पंडालों को किया गया सम्मानित



सिमडेगा: सिमडेगा के आनंद भवन में केंद्रीय दुर्गा पूजा समन्वय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष अनूप केसरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शारदीय नवरात्र एवं दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न होने पर जिले की सभी पूजा समितियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया गया।बैठक में इस वर्ष दुर्गा पूजा के दौरान सामने आई विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही भविष्य में इन समस्याओं से बचने और उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। वक्ताओं ने कहा कि सनातन समाज के पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों का संचालन पूजा समितियों के दिशा-निदेर्शों के अनुसार होना चाहिए। इसमें किसी बाहरी व्यक्ति का अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा।बैठक में सभी पूजा समितियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि धार्मिक आयोजनों में आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा दिया जाएगा। किसी दूसरे पर आश्रित रहने के बजाय सामूहिक सहयोग से पूजा संपन्न कराई जाएगी। साथ ही एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हुए सभी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इस दौरान वर्तमान समय की चुनौतियों और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक के अंत में सिमडेगा जिले के सभी 55 दुर्गा पूजा पंडालों, दो चैती दुर्गा पूजा समितियों एवं काली पूजा समितियों को प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।सभी सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि जिस एकता, अनुशासन और शांतिपूर्ण वातावरण में इस वर्ष दुर्गा पूजा संपन्न हुई, उसी परंपरा को आगे भी बनाए रखा जाएगा। बैठक में सभी पूजा पंडाल के अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष सदस्य विभिन्न धार्मिक समिति के लोग शामिल हुए।

7 नवंबर को शहीद स्मारक पर जलेगा एक दीया शहीदों के नाम

हजारीबाग : देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की स्मृति में पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन, झारखंड द्वारा आगामी 7 नवंबर को ह्यएक दीया शहीदों के नामह्न दीपांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम हजारीबाग स्थित शहीद स्मारक, सर्किट हाउस परिसर में शाम 4:30 बजे आयोजित होगा। इस संबंध में पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन की बैठक नरसिंह स्थान परिसर में आयोजित की गई। बैठक में कार्यकारिणी एवं उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि दीपावली के पावन अवसर पर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को दीप प्रज्वलित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

संगठन के सदस्यों ने कहा कि यह कार्यक्रम वीर शहीदों के अदम्य साहस, त्याग, वीरता और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने तथा नई पीढ़ी तक उनके बलिदान की प्रेरणा पहुंचाने का एक प्रयास है।

दियारा के छठ घाटों की बदहाली पर उठे सवाल, क्या सम्राट सरकार करेगी निर्माण और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं का इंतजाम?

नीतीश कुमार के शासनकाल में दियारा क्षेत्रों के घाटों की उपेक्षा का आरोप, अब नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने बड़ी चुनौती

संवाददाता

पटना : बिहार में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। राज्य में मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने इस बार छठ घाटों की व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती होगी। हाल के दिनों में विभिन्न स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं और हादसों ने भी छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि परिवार के साथ गंगा घाटों पर छठ पूजा करने पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं को क्या पर्याप्त सुविधाएं मिल पाएंगी? क्या घाटों पर सुरक्षित जगह, साफ-सफाई, रोशनी, पहुंच मार्ग, बैरिकेडिंग और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी? या फिर श्रद्धालु पहले की तरह अपने घरों की छतों पर ही छठ पूजा करने को प्राथमिकता देंगे?

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल के दौरान दियारा क्षेत्रों में छठ घाटों के निर्माण और स्थायी सुविधाओं को लेकर अपेक्षित पहल नहीं होने का सवाल लगातार उठता रहा है। घाटों पर अत्यधिक भीड़ और सीमित जगह के कारण श्रद्धालुओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अनुमान के मुताबिक, एक व्रती परिवार को पूजा के लिए लगभग तीन से पांच फीट जगह की आवश्यकता होती है। ऐसे में घाटों पर पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं होना भी एक बड़ी समस्या है।

घरों की छतों पर छठ पूजा का बढ़ता रुझान

आखिरकार घरों की छतों पर छठ पूजा करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि क्यों हो रही है? क्या इसका कारण गंगा घाटों पर पर्याप्त



सुविधाओं का अभाव और भीड़भाड़ है? क्या श्रद्धालुओं को अपने परिवार की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए घरों की छतें अधिक सुरक्षित विकल्प लगने लगी हैं? ये सवाल बिहार की पारंपरिक संस्कृति और छठ महापर्व की सामूहिक परंपरा के भविष्य को लेकर भी महत्वपूर्ण हैं।

दानापुर से रामजीचक तक घाटों की स्थिति चुनौतीपूर्ण

पटना के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कई गंगा घाटों की भौगोलिक स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है। विशेषकर घाटों के किनारों पर अधिक गहराई होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। दानापुर से लेकर बांटा और रामजीचक के आसपास के क्षेत्रों में छठ के दौरान काफी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में घाटों पर सुरक्षा, आवागमन और श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

मिथिला कॉलोनी घाट भी महत्वपूर्ण घाटों में शामिल है, जहां मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में निरीक्षण किया जाता रहा है। इसके अलावा दानापुर पीपा पुल के पास स्थित ऐतिहासिक घाट का अस्तित्व समाप्त होने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। यदि सम्राट चौधरी की सरकार इस क्षेत्र में घाट निर्माण और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करती है, तो इससे लाखों श्रद्धालुओं को राहत मिल सकती है।

दियारा के घाटों पर भी सरकार की नजर जरूरी

सबसे अहम सवाल यह है कि क्या सम्राट चौधरी की सरकार दियारा क्षेत्रों के घाटों की भी सुध लेगी? क्या इन घाटों को व्यवस्थित कर बंदोबस्ती, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी? या फिर हर वर्ष की तरह दियारा के घाटों को ग्रामीणों के भरोसे ही छोड़ दिया जाएगा?

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यकाल में यह पहला छठ महापर्व होगा। ऐसे में श्रद्धालुओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं। सरकार के सामने चुनौती होगी कि वह गंगा घाटों को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ दियारा क्षेत्रों में भी छठ पूजा के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि व्रतियों को अपने घरों की छतों के बजाय पारंपरिक गंगा घाटों पर पूजा करने के लिए प्रोत्साहन मिल सके।

मेट्रो रेज की टीम रख रही है घाटों पर नजर

मेट्रो रेज संध्या दैनिक की टीम बिहार के विभिन्न संवेदनशील और खतरनाक घाटों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। टीम द्वारा घाटों पर हो रही गतिविधियों और व्यवस्थाओं की पल-पल की जानकारी मुख्य संपादक श्री लाल दिवाकर जी को उपलब्ध कराई जा रही है। घाटों की वास्तविक स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट के माध्यम से राज्य एवं देश के पाठकों तक जानकारी पहुंचाई जाएगी।

अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार छठ व्रतियों की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है और क्या इस बार दियारा के घाटों के विकास एवं निर्माण की दिशा में कोई ऐतिहासिक पहल हो पाती है?

राष्ट्रीय थ्रोबॉल में झारखंड की बेटियों का ऐतिहासिक धमाका

अपराजित रहकर बनीं राष्ट्रीय चैंपियन

34वीं राष्ट्रीय सब जूनियर थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड ने तमिलनाडु को फाइनल में हराकर जीती खिताबी ट्रॉफी, पूरे टूर्नामेंट में कायम रखा जीत का सिलसिला



कोलकाता/रांची : झारखंड की बेटियों ने राष्ट्रीय खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का मान बढ़ाया है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित विवेकानंद कॉलेज परिसर में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित 34वीं राष्ट्रीय सब जूनियर थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए खिताबी ट्रॉफी अपने नाम की।

झारखंड की टीम ने प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश को हराकर लीग चरण में शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में तेलंगाना को 25-07, 25-04 और सेमीफाइनल में मुंबई को 25-09, 25-18 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में झारखंड की खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु को 25-16, 25-23 से हराकर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

इस ऐतिहासिक जीत पर झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता बेटियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। वहीं, एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. राजेश गुप्ता ने इसे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयासों का नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि झारखंड की ये प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का प्रतिनिधित्व कर राज्य और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी। झारखंड की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर राज्य थ्रोबॉल संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता झारखंड की उभरती महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का नया अध्याय साबित होगी।

सिमडेगा के माथे पर विकास का एक तिलक होगा केलाघाघ डैम का विकास: दीपक रिंकू

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग द्वारा सिमडेगा के प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण केला घाघ डैम में इको-रिजॉर्ट के निर्माण (प्रथम चरण) हेतु ₹5.00 करोड़ की भारी-भरकम राशि की संस्तुति और प्रशासनिक स्वीकृति ने यह साबित कर दिया है कि जनहित और क्षेत्र का समग्र विकास ही सरकार और जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस शानदार और दूरगामी पहल के पीछे झारखंड सरकार के माननीय वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, सांसद कालीचरण मुंडा, विधायक भूषण बाड़ा, विधायक नमन विकसल कोंगाड़ी, डीसी कंचन सिंह की मेहनत इस बात का प्रमाण है कि राज्य के सुदूरवर्ती जिलों में भी पर्यटन की असीम संभावनाओं को तराशने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति मौजूद है, जो सिमडेगा के विकास के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगी। सरकार और प्रशासन का निरंतर और अथक



प्रयास ही है जिसके परिणामस्वरूप सिमडेगा की हर एक महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर उतर रही है, और केला घाघ डैम को पर्यटन मानचित्र पर एक चमकते हुए नगीने की तरह स्थापित करने की लोगों की परिकल्पना अब हकीकत में बदल रही है। क्योंकि केला घाघ डैम नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत ही आता है इसलिए शहर के विकास के लिए भी यह एक अहम योजना हो सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में हमारे सभी प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधियों का कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक मार्गदर्शन यह विश्वास दिलाता है कि इस दूरदर्शी सौगात के धरातल पर उतरने से केवल कंक्रीट और इमारतें नहीं खड़ी होंगी, बल्कि यह सिमडेगा के स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के असीम अवसरों का नया सूर्योदय लेकर आएगा। जब यह भव्य इको-रिजॉर्ट बनकर तैयार होगा, तब प्राकृतिक सौंदर्य से संवरा केला घाघ डैम राज्य ही नहीं बल्कि देश भर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा, जिससे सिमडेगा शहर की ख्याति संपूर्ण देश में गूंजेगी और एक विशिष्ट पर्यटन केंद्र के रूप में इसकी गौरवशाली पहचान स्थापित होगी। यह अभूतपूर्व सौगात सिमडेगा के माथे पर विकास का एक ऐसा तिलक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और गर्व के नए द्वार खोलेगा। इस ऐतिहासिक और सराहनीय पहल के लिए मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विधायक भूषण बाड़ा जी एवं डीसी कंचन सिंह को अनंत बधाइयां देता हूं।

सिमडेगा में 11 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (खअउ), रांची के तत्वावधान में रविवार, 01 नवंबर 2026 को सिमडेगा जिले के 11 परीक्षा केंद्रों पर झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (खळएळ)-2026 का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल, निष्पक्ष, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई थीं। सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप परीक्षा संपन्न कराई गई।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, प्रथम पाली में कुल 3,924 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 2,640 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1,284 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में कुल 67.28 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई।वहीं द्वितीय पाली में 3504 अभ्यर्थियों में 2282 उपस्थित,65.13प्रतिशत तथा 1222 अनुपस्थित रहे।



परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिले में सिमडेगा कॉलेज, विमेंस कॉलेज, संत अन्ना बालक उच्च विद्यालय सामटोली, जिला सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, उसुर्लाइन कॉन्वेंट बालिका उच्च विद्यालय सामटोली, सेंट मेरीज हाई स्कूल सामटोली, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेंट जॉन्स इंग्लिश मीडियम स्कूल फरसाबेड़ा एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सहित कुल 11 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वयं की निगरानी

, परीक्षा में शामिल होने के लिए जिले के बाहर से आए अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन, सिमडेगा द्वारा रानी दुर्गावती भवन, वीर बंधु आश्रय गिरी, आनंद भवन, डाक बंगला, नगर भवन सहित अन्य स्थानों पर ठहरने की व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

ठहरने की व्यवस्थाओं का उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस खोटरे द्वारा निरीक्षण भी किया गया था, ताकि बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवासीय व्यवस्था मिल सके। परीक्षा के वरीय नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता गिरिजा शंकर महतो ,एवं नोडल पदाधिकारी मिथिलेश केरकेटा तथा पुलिस उपाधीक्षक ,सभी पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट,सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी ने परीक्षा सम्पन्न कराने में मुस्तैदी दिखाई।

बरही के पांच परीक्षा केंद्रों पर 2537 अभ्यर्थियों में 2412 हुए शामिल, 125 अनुपस्थित

बरही : झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) रविवार को बरही के पांच परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। सभी केंद्रों पर व्यवस्था सामान्य रही।

प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रभारी शिवराम ने बताया कि प्रथम पाली में 600 में से 582 और द्वितीय पाली में 259 में से 242 अभ्यर्थी शामिल हुए। दोनों पालियों में कुल 35 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

परियोजना बालिका विद्यालय के प्रभारी रविकांत ओम के अनुसार, यहां 309 अभ्यर्थियों में 300 उपस्थित और 9 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में 216 में से 209 तथा द्वितीय पाली में 93 में से 91 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। रामनारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय के प्रभारी डॉ. अजय राम ने बताया कि यहां 550 में से 520 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 30 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में 384 में से 360 और द्वितीय पाली में 166 में से 160 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बरही इंटर महाविद्यालय की प्राचार्या नंदेश्वरी कुमारी ने बताया कि यहां 378 में से 366 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 12 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में 264 में से 257 तथा द्वितीय पाली में 114 में से 109 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

वहीं, डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य पुष्प कुमार झा के अनुसार, यहां 481 में से 456 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 39 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में 336 में से 315 तथा द्वितीय पाली में 145 में से 141 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

इस प्रकार पांचों केंद्रों पर कुल 2537 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 2412 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 125 अनुपस्थित रहे। करीब दस वर्ष बाद आयोजित इस परीक्षा में 55 से 57 वर्ष तक के अभ्यर्थियों ने भी भाग लिया। परीक्षा के दौरान एसडीओ जोहन टुडू, बीडीओ जयपाल महतो सहित प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों ने लगातार गश्ती की।

बाढ़ प्रभावित सारण के गंगा दियारा में राशन वितरण में मनमानी का आरोप, पांच किलो की जगह मिल रहा चार किलो अनाज

संवाददाता

सारण (बिहार) : बाढ़ की मार झेल रहे सारण जिले के गंगा दियारा क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ओर आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण में डीलरों की कथित मनमानी ने गरीब परिवारों की परेशानी और बढ़ा दी है।

स्थानीय स्तर पर आरोप है कि राशन डीलरों द्वारा पात्र राशनकार्ड धारियों को निर्धारित मात्रा से कम अनाज दिया जा रहा है। नियमानुसार प्रत्येक राशनकार्डधारी को प्रति यूनिट पांच किलोग्राम अनाज मिलना चाहिए, लेकिन आरोप है कि कई डीलर पांच किलो की जगह केवल चार किलो अनाज ही दे रहे हैं। इतना ही नहीं, जब लाभुक निर्धारित मात्रा में राशन की मांग करते हैं तो उन्हें कथित तौर पर दबाव और धौंस का सामना करना पड़ता है।

राशन वितरण में एक किलो की यह कटौती किसी एक परिवार तक सीमित नहीं है। प्रत्येक डीलर के क्षेत्र में सैकड़ों राशनकार्डधारी होते हैं। ऐसे में यदि प्रति लाभुक एक किलो अनाज की कटौती की जाती है तो हर महीने बड़ी मात्रा में अनाज का हिसाब प्रभावित होता है। इसको लेकर



राशन की कालाबाजारी की आशंका भी जताई जा रही है।

सबसे गंभीर बात यह है कि डीलरों द्वारा कथित तौर पर यह दावा किया जाता है कि निर्धारित मात्रा से कम अनाज देने का निर्देश अधिकारियों की ओर से दिया गया है। यदि यह दावा सही है तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। वहीं, डीलर और संबंधित अधिकारियों के बीच कथित मिलीभगत के आरोपों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि गरीब और जरूरतमंद राशनकार्डधारियों के हक का अनाज आखिर कौन दिलाएगा? सरकार की ओर से गरीबों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसी शिकायतें व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करती हैं। जागरूकता की कमी और शिकायत करने पर कार्रवाई नहीं होने की आशंका के कारण कई लाभुक अपनी आवाज भी नहीं उठा पाते हैं। अब जरूरत है कि जिला प्रशासन और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राशन वितरण की जांच कराएं। प्रत्येक डीलर के स्टॉक और वितरण रजिस्टर का मिलान किया जाए तथा लाभुकों को निर्धारित मात्रा में अनाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। यदि जांच में अनियमितता या कालाबाजारी की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।